www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 87 || लखनऊ
शनिवार
27 जून 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:15
सूर्यास्त: 07:04
अधिकतम: 41.00
न्यूनतम: 31.00

» पेज 07

विशेष समाचार | भरोसे के रिश्तों के कत्ल से ... » पेज 04 | एक ही परिवार के 4 लोगों ... » पेज 06 | धुरंधर 2 को टक्कर देती है 16 ...

एसआईटी रिपोर्ट के बाद एक्शन शुरू, दूध का दूध-पानी का पानी करके रहेंगे

रामभक्तों की अग्निपरीक्षा न लें : योगी

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिय। सीएम योगी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले मेंरामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 लोगों की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शुक्रवार को देवरिया में कहा- SIT की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई शुरू हो गई है। दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेंगे।

» (शेष पेज 06 पर)

सवाल उठाने वालों ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं

योगी ने कहा- जो लोग राम के बारे में सवाल उठा रहे हैं, ये वही लोग हैं, जिन्होंने राम को नकारा था। एक पक्ष था, जो कहता था कि राम हैं ही नहीं। वे लगातार विरोध करते रहे। वकीलों की फौज लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते रहे। एक पक्ष वह है, जो राम भक्तों पर गोलियां चलवाता था। अब वही कह रहे हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

✦ **456** करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर समृद्ध देवरिया की आधारशिला को और सुदृढ़ किया।

राम मंदिर को लेकर लोग बिना सबूत आरोप लगाना बंद करें। रामभक्तों की आस्था से खिलवाड़ न करें। जिनके पास भी चंदा चोरी से जुड़े सबूत हैं, वे एसआईटी को सौंपें। रामभक्तों की अग्निपरीक्षा मत लें। बहुत जल्द दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।

सीएम योगी देवरिया में बोले

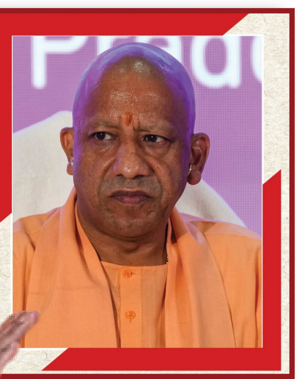

सीएम योगी ने कहा- याद कीजिए कांग्रेस ने देश को लूटा ही नहीं था, नोंचा था। भगवान राम का नाम लेने पर गोली चलवाने वाले आज कहते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। अरे तुम हमें आस्था बताओगे? उन्होंने दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल के अयोध्या दौरे पर भी तंज कसा। कहा- दिल्ली से भी एक सज्जन आए हैं। उनको बता दूं कि दिल्ली को 15 साल में कुछ नहीं दिया। दिल्ली को बर्बाद कर दिया। अयोध्या देखकर जाओ और जाकर पश्चाताप करो। अगर ऐसा दिल्ली में किया होता, तो दिल्ली भी चमक रही होती।

सपा-कांग्रेस बसपा के लोग रात को लूटते थे

योगी ने कहा- ये सपा, बसपा और कांग्रेस के लोग जनता को बिजली नहीं देते थे, क्योंकि अंधेरे में ये अपना खेल खेलते थे। डकैती डालते थे। मैंने यहां दो बच्चों का अन्नप्राशन कराया। वे बच्चे हंस रहे थे। उन्हें पता है कि डबल इंजन की सरकार अच्छा काम कर रही है। ये बच्चे इंसेफेलाइटिस से मुक्त हैं। अब बेटियां नंगे पैर स्कूल नहीं जातीं। उनके पैरों में जूते-चप्पल होते हैं। योगी ने कहा- डबल इंजन की सरकार ने पूरब और पश्चिम को अच्छी सड़कों से जोड़ने का काम किया। अब उत्तर-दक्षिण की कनेक्टिविटी तेज कर रहे हैं। विकास आपके दरवाजे तक आएगा। जितनी तेज और अच्छी कनेक्टिविटी होगी, उतनी तेज विकास होगा। हमने 65 लाख नौजवानों को उत्तर प्रदेश में निवेश के साथ जोड़ने का काम किया। यही भारत और उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम करेगा। हमारे कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि में तेजी लाने का काम किया। अब यूपी में उत्पादन 8 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी हो गया है। अयोध्या में माता शबरी के नाम पर रसोई बन रही है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में सपा की डकैती रोकी

योगी ने कहा- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का टेंडर सपा सरकार ने 2016 में किया था। 110 मीटर चौड़ाई और 340 किमी लंबाई रखी थी। इन्होंने 15 हजार 8 सौ करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाया था। जब हमारी सरकार आई तो मैंने पूछा कि क्या प्रगति है, तो पता चला कि जमीन ही नहीं मिली है। हमने कहा कि जमीन नहीं तो टेंडर कैसे हो गया। मैंने कहा कि जमीन का अधिग्रहण करिए। हमने चौड़ाई बढ़ाकर 120 मीटर की। लगा कि कभी चौड़ाई बढ़ानी पड़ी या यहां हाईस्पीड ट्रेन चलानी पड़ेगी तो आसानी होगी। उन्होंने कहा- 15 हजार 800 करोड़ का टेंडर देखकर मैंने 2018 में दोबारा इसका टेंडर कराया।

- योगी ने महिला को पीएम सूर्य घर योजना का प्रतीकात्मक प्रमाणपत्र का सौंपा।
- योगी ने कहा- हमारे कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि में तेजी लाने का काम किया है। अब यूपी में उत्पादन 8 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी हो गया है।

बंगले की सियासत : राबड़ी के नए आशियाने पर चढ़ रहा आरजेडी का रंग

10 सर्कुलर रोड पर अब दिखेगा 'भगवा'!

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी (Rabri Devi) को 10, सर्कुलर रोड का बंगला छोड़कर नए बंगले (39, हार्डिंग रोड) में जाने के लिए चौथी बार नोटिस मिल चुका है। राबड़ी ने पहले आनाकानी की, लेकिन अब मन बना चुकी हैं। हालांकि, इसके लिए उन्होंने नए बंगले में लालू की सुविधानुसार कुछ व्यवस्थाएं किए जाने का आग्रह किया था, जिस पर द्रुत गति से काम चल रहा है। इस बंगले में इससे पहले भाजपा कोटे के मंत्री रह चुके हैं, लिहाजा गेट और दीवार आदि भगवा रंग में थे, जिन पर अब हरा रंग चढ़ाया जा रहा है। बिहार की राजनीति में यह राजद का प्रतीक रंग है। चौथे नोटिस की मियाद 29 जून तक है और सरकार ने स्पष्ट कर दिया गया है कि यह आखिरी अल्टीमेटम है। आगे बल प्रयोग की आशंका है, जिससे लालू परिवार सहित राजद की भी फजीहत हो सकती है। ऐसे में राबड़ी बंगले को खाली कर देने में ही भलाई समझ रहीं। अंदरखाने पैकिंग शुरू हो गई है।

शुक्रवार को बाहर-भीतर से कुछ सीसी-कैमरे भी उतार लिए गए। उधर 39, हार्डिंग रोड के मुख्य दरवाजे पर हरा रंग चढ़ा दिया गया है। दीवारों की पोताई में जहां-तहां हरे रंग की पट्टी बनाई जा रही।

योगी ने रवि किशन से पेनाल्टी में गाना सुना

गोरखपुर में बोले- फ्री में मूवी दिखाओ, सांसद ने पूछा था- इलाज मुफ्त होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में शुक्रवार शाम सीएम योगी ने MLC के अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान जब सांसद रवि किशन मंच पर देरी से पहुंचे। तब नेताओं ने मजाकिया अंदाज में कहा कि देर से आने की पेनाल्टी के तौर पर गाना सुनाना होगा।

योगी ने भी मुस्कुराते हुए कहा- सुना दो। इसके बाद रवि किशन ने भोजपुरी में गाया- हे गंगा मइया तोहें पियरी चढ़इबो, सइंया से करा द मिलनवा... महादेव से करा द मिलनवा... महाराजजी से करा द मिलनवा...।

गाना सुनकर मंच पर मौजूद लोग तालियां बजाने लगे। MLC सीपी चंद के एस्ट्रोमेडिक्स मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन कर योगी ने संबोधित किया। योगी ने कहा- आज सीपी चंद के पिता स्व. मारकंडेय चंद की स्मृति में यह अस्पताल खोला गया है। रविकिशन की चुटकी लेते हुए कहा- रविकिशन बोल रहे थे कि क्या यहां फ्री में इलाज होगा।

फास्ट न्यूज

मृत्युभोज में घी के मालपुए नहीं बनवाने पर हुक्का-पानी बंद

सिरोही। आर्थिक तंगी की मार झेल रहे परिवार ने मृत्युभोज में 'घी के मालपुए' नहीं बनवाए। सादा खाना खिलाया। इससे समाज के लोग इतने नाराज हुए कि इनका हुक्का-पानी बंद करने का फरमान सुना दिया। इस गरीब परिवार का समर्थन करने वाले 42 अन्य परिवारों पर भी यही तुगलकी फरमान लागू किया गया।

पंजाब में 3 ट्रैफिक नियम तोड़ना पड़ेगा भारी

लुधियाना। पंजाब में सड़क पर रैश ड्राइविंग, ड्रिंक एंड ड्राइव और अंडरएज ड्राइविंग पर सरकार ने सख्ती करनी शुरू कर दी। पंजाब सरकार ने ट्रैफिक नियम तोड़ने के इन तीन मामलों को नॉन कंपाउंडेबल कैटेगरी में शामिल कर दिया है। इन कैटेगरी में अगर अब आपका चालान होता है तो उसका भुगतान न तो आप मौके पर कर सकेंगे और न ही RTO दफ्तर में जाकर चालान का भुगतान होगा। खास बात यह है कि कोर्ट में चालान की सुनवाई के दौरान अगर मामला ज्यादा गंभीर हुआ तो कोर्ट ड्राइवर को एक्ट के अनुसार कानूनी सजा भी सुना सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के 'रोल ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया है। नेशनल वॉर मेमोरियल के त्याग चक्र में 16 गोल ग्रेनाइट की दीवारें हैं।

रामगढ़ में ट्रक-पिकअप में टक्कर, 8 लोगों की मौत

गाड़ी में फंसी लाश, सड़क पर बिखरे बैंड-बाजे, ताशा पार्टी से जुड़े थे सभी

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

रामगढ़ (झारखंड)। झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ। कोयला लदे एक ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े थे, उनके सामान बैंड-बाजे सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला। घटनास्थल पर सात लोगों की मौत हुई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रांची रेफर किया गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े हैं।

- सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।
- ट्रक और पिकअप में आमने-सामने की टक्कर हुई।

» (शेष पेज 06 पर)

राम मंदिर ट्रस्ट से महासचिव चंपत राय का इस्तीफा

ट्रस्टी अनिल मिश्रा की छुट्टी, चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत 8 गिरफ्तार

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है। चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था।

» (शेष पेज 06 पर)

संजय राउत ने पूछा- उद्धव की ईंट कहां गई, केजरीवाल बोले- महापाप हुआ

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को 'X' पर पूछा, 'राम मंदिर के लिए उद्धव की दान की हुई 4 किलो चांदी की कहां गई? अब जवाबदेही तय करने का समय आ गया है।'

दिल्ली के पूर्व CM अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को रामलला के दर्शन किए। कहा- जिन्होंने महापाप किया, उन्हें कड़ी सजा मिले। FIR दिखावा है। बड़े लोगों को बचाने की कोशिश हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'आस्था के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। सनातन के मूल्यों को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगी।'

अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया- 79.85 लाख रुपए बरामद

अयोध्या सीजेएम कोर्ट के अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सोमवार को उन्हें दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा।

सभी आरोपियों से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपए बरामद किए गए हैं। केवल एक आरोपी सुभाष से कोई बरामदगी नहीं हुई, लेकिन वह साजिश में शामिल था। बाकी आरोपियों से अलग-अलग रकम बरामद की गई है।

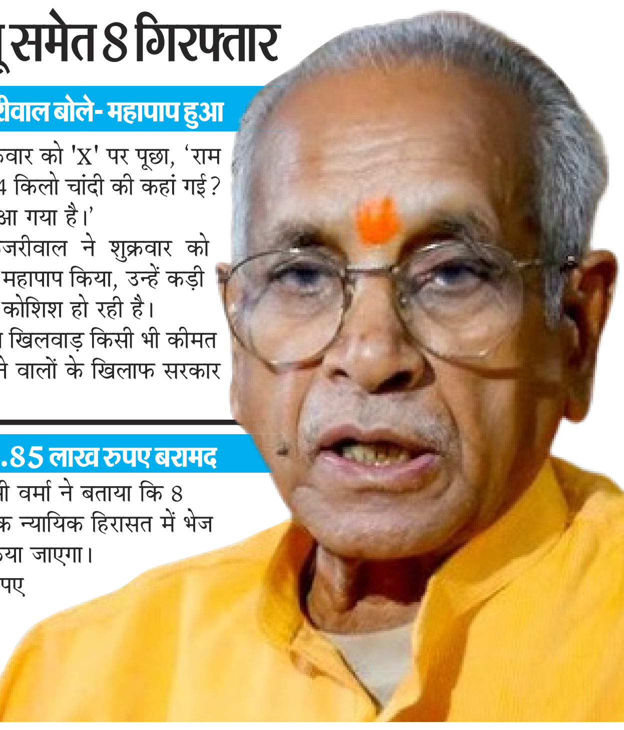

मजबूती : एसआईआर और इमरजेंसी पर चैप्टर जोड़ा, सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्दों का भी जिक्र नहीं

एनसीईआरटी ने 9वीं की सोशल साइंस से संविधान प्रस्तावना हटाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NCERT ने क्लास 9वीं की सोशल साइंस की किताब में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और इमरजेंसी पर एक नया चैप्टर जोड़ा गया है। किताब में बताया गया है कि SIR का मुख्य कार्य मतदाता सूची को अपडेट करना, मतदाताओं का सत्यापन करना और मतदाताओं की सूची में त्रुटियां दूर करना है। चैप्टर की मदद से छात्रों को यह भी समझाया जाएगा कि मतदाता सूची का निरीक्षण करने से चुनावी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। वहीं, किताब से संविधान की प्रस्तावना हटा दी गई है।

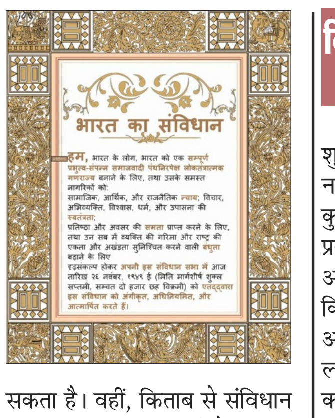
भारत का संविधान
हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को:
सामाजिक, आर्थिक, और राजनैतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, और उपासना की स्वतंत्रता;
प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारिख २६ नवंबर, १९४९ ई (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, सम्वत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित, और आत्मार्पित करते हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

किताब में लिखा- इंदिरा सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ी

किताब में लिखा गया है कि 1970 के दशक की शुरुआत में इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ रही थी। बेरोजगारी, महंगाई और कुप्रबंधन के आरोपों के कारण कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए। इसके बाद जून 1975 में आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रीय इमरजेंसी लागू की गई। किताब के अनुसार, इस दौरान अधिकांश मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और कई राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। पुस्तक में कहा गया है कि इस दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ा और लोगों की स्वतंत्रता सीमित हो गई।

लोकतंत्र के सामने दूसरी चुनौतियां भी शामिल

- इमरजेंसी के अलावा किताब में लोकतंत्र के सामने मौजूद दूसरी चुनौतियों पर भी चर्चा की गई है। इनमें फेक न्यूज, गलत सूचनाएं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, नियमों का उल्लंघन, गरीबी, क्षेत्रवाद, सामाजिक भेदभाव और लैंगिक असमानता शामिल हैं।
- NCERT ने पहली बार 'डेमोक्रेसी एंड यू' नाम का नया सेक्शन भी जोड़ा है। इसका मकसद छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भूमिका समझाना है।
- पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान आपातकाल के समय किए गए 42वें संविधान संशोधन (1976) के जरिए भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'सेकुलर' (पंथनिरपेक्ष), 'सोशलिस्ट' (समाजवादी) और 'इंटीग्रिटी' (अखंडता) जोड़े गए थे।
- किताब में भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और संस्थाओं पर भी खास फोकस किया गया है। इसमें बताया गया है कि भारत में लोकतांत्रिक सोच और भागीदारी की परंपरा काफी पुरानी है मीडिया की भूमिका पर भी एक अलग सेक्शन दिया गया है। किताब में मीडिया को लोकतंत्र का 'चौथा स्तंभ' बताया गया है और कहा गया है कि यह जनता की आवाज उठाने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में अहम भूमिका निभाता है।

हकलाने-हेयरविग की वजह से सिया को केतन पसंद नहीं था

पुणे पुलिस को बताया- शादी के लिए मना किया, लेकिन केतन माना नहीं

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे। पुणे में केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि केतन अग्रवाल हेयर विग लगाता था। सिया गोयल को यह पसंद नहीं था।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा, 'सिया और उसके परिवार को पता था कि केतन विग का एक पैच लगाता था। उसे पसंद नहीं था तो वह मना कर सकती थी, क्या यह किसी को मारने की वजह हो सकती है।'

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 'सिया इस शादी से खुश नहीं थी। केतन के विग लगाने और हकलाने की वजह से सिया के मन में उसके प्रति नफरत बैठ चुकी थी।' सिया ने बताया कि उसने केतन से कहा था कि वह उससे शादी करना नहीं चाहती, लेकिन वह सगाई तोड़ने को तैयार नहीं था। केतन का कहना था कि अब बहुत देर हो चुकी है। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। सिया पर अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मिलकर मंगेतर की हत्या करने का आरोप है। दोनों फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और मामले की जांच जारी है।

ताजिया नापा तो एएसपी अनुज चौधरी पर भड़के मौलाना, जुलूस में करंट से 2 की मौत

यूपी में मुहर्रम पर अंगारों पर चले लोग

अलर्ट

- शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष बोले- कर्बला में 1387 साल पहले जो जंग हुई, आज भी याद
- झांसी में चिलचिलाती धूप और तपती जमीन पर जुलूस के लिए सड़कों पर पानी डाला

लखनऊ में मुहर्रम के जुलूस में ड्राई फ्रूट्स से बना हुआ अलम लेकर अकीदतमंद चल रहा हैं। इसे 31 किलो नारियल, 11 किलो मखाना, 11 किलो काजू, 7 किलो बादाम, 5 किलो अखरोट और 11 किलो छुहारे से सजाया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/संभल/एटा। यूपी में आज (शुक्रवार) मुहर्रम के जुलूस को देखते हुए पुलिस अलर्ट मोड पर है। ड्रोन कैमरों से पूरे रूट की मॉनिटरिंग की जा रही है। श्रावस्ती में कर्बला के शहीदों की याद में अजादार दहकते अंगारों पर चले। 'या हुसैन' की सदाओं से माहौल गमगीन हो गया। एटा में शुक्रवार तड़के ताजिया हाईटेंशन तार से टच हो गया। इसके बाद ताजिए में करंट उतर गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। 7 गंभीर रूप से झुलस गए। प्रयागराज में भी करंट से एक 17 साल के लड़के की मौत हो गई। संभल SP केके बिश्वनोई ने फोर्स के साथ फ्लैग मार्च किया। इधर, फिरोजाबाद ASP अनुज चौधरी के फीते से ताजिया नापने पर आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास भड़क गए। उन्होंने कहा- ताजियों की इस प्रकार नाप-जोख किए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। ताजियों का अपमान है। यूपी सरकार से मांग करता हूं कि अनुज चौधरी को तत्काल सस्पेंड किया जाए। लखनऊ में 2 लाख से अधिक लोग ताजिए के जुलूस में शामिल हो सकते हैं। जुलूस इमामबाड़े से निकल कर कर्बला तालकटोरा जाएगा। जुलूस में शामिल सभी लोग काले कपड़े पहनेंगे और नंगे पांव मातम करेंगे। बता दें कि आज ही के दिन कर्बला में पैगंबर मोहम्मद साहब के छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन यजीदी फौज से जंग करते हुए 72 साथियों के साथ शहीद हो गए थे। लखनऊ में शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि कर्बला में 1387 साल पहले जो जंग हुई थी आज भी उसे याद कर रहे हैं। इमाम हुसैन को उनके छोटे बच्चों के साथ शहीद कर दिया गया था आज उसी का गम मना रहे हैं।

बरेली में चाकू, छूरी और जंजीरों से मातम किया

बरेली में इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए शुक्रवार को शिया मुस्लिमों ने मातम मनाया। चाकू छुरी का मातम करते हुए जुलूस निकाला गया। इसमें लहराते अलम परचम जहां कर्बला की जंग का एहसास कर रहे थे। किला जामा मस्जिद पर एकत्र अजादारों ने जंजीरों, छुरियों से मातम किया। जिस्म लहूलुहान था, जुबां पर या हुसैन की सदाएं गूंज रही थीं। जुलूस किला, जामा मस्जिद रोड, जखीरा, जसोली से किला इमामबाड़ा फतेह निशान पहुंचा, जहां अंजुमनों ने नौहख्वानी की।

संभल में डीएम अंकित खंडेलवाल और एसपी कृष्ण विश्नोई ने फ्लैग मार्च किया।

लखनऊ में महज 3 साल की सैयद अबिया भी जुलूस में मातम करती दिखीं। उनकी अकीदत और जज्बे ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। लखनऊ में भीषण गर्मी में जुलूस में निकलने वाले लोगों पर केवड़ा जल का छिड़काव किया जा रहा है।

जुलूस के दौरान करंट लगने से एक की मौत

प्रयागराज में मुहर्रम की नौवीं पर निकले जुलूस के दौरान शुक्रवार सुबह एक 17 साल के किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। जुलूस जैसे ही सेवई मंडी इलाके में पहुंचा, बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान एक बिजली के पोल में करंट उतर आया। करंट की चपेट में आने से किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। मृतक की पहचान बहादुरगंज निवासी मोहम्मद हमजा पुत्र काशिम के रूप में हुई। वह मुहर्रम की नौवीं पर कोतवाली से उठे मासूम अली असगर के झूले में शामिल था। जुलूस में बड़ी संख्या में जायरीन मौजूद थे। लोगों ने तुरंत हमजा को इलाज के लिए पहले कॉल्विन अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

फास्ट न्यूज

एसडीए में तैनात ज्ञानेंद्र वर्मा का 6 साल बाद ट्रांसफर

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा का ट्रांसफर कर दिया गया है। शासन ने उन्हें कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में नई जिम्मेदारी सौंपी है। ज्ञानेंद्र वर्मा पिछले करीब छह सालों से एलडीए में तैनात थे और प्राधिकरण की कई अहम शाखाओं व संपत्तियों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

लखनऊ में बिजली कटौती से गुस्साए लोगों का हंगामा

लखनऊ। लखनऊ में भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से लोग परेशान हो गए। गुस्साए लोगों ने गुरुवार-शुक्रवार की देर रात अपट्रॉन पावर हाउस का घेराव कर दिया। रात करीब एक बजे दो दर्जन से अधिक लोग हाथों में बांस के डंडे लेकर प्रदर्शन करने लगे। भीड़ को देखकर उपकेंद्र ऑपरेटर ने खुद को अंदर बंद कर लिया। इसके बाद लोगों ने उपकेंद्र के बाहर रास्ता रोककर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले सात दिनों में पांच दिन इलाके में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही है।

लखनऊ में तेज धूप के साथ बादलों की आवाजाही

लखनऊ । लखनऊ में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मानसून पहुंचने में देरी होने के चलते लोगों को तपन और उमस झेलनी पड़ रही है। आज, शुक्रवार दोपहर से शुरू हुई बादलों की आवाजाही से भी कोई राहत नहीं मिल रही है। सुबह से आसमान साफ रहा और तेज धूप निकलने से उमसभरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी।

व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस प्रमाणन जारी : दयाशंकर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित 35 क्रियाशील स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से 19 जून, 2026 तक कुल 2,80,779 व्यवसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का मुख्य उद्देश्य वाहन फिटनेस जांच प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम करते हुए मशीनों एवं सेंसर आधारित परीक्षण प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। इससे वाहन मालिकों को आधुनिक तकनीक की सहायता से तेज़, सटीक एवं समयबद्ध फिटनेस प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। परिवहन राज्य मंत्री ने कहा कि एटीएस व्यवस्था सड़क सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। केवल तकनीकी रूप से फिट वाहनों को ही सड़क पर संचालन की अनुमति दिए जाने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायता मिल रही है।

उन्होंने बताया कि सभी वाहनों का परीक्षण केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे प्रत्येक वाहन की जांच समान मानकों पर सुनिश्चित होती है। सिंह ने कहा कि एटीएस प्रणाली में डिजिटल रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं ऑटोमेटेड रिपोर्टिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं के कारण लापरवाही, पक्षपात एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी रोक लगी है ।

प्रयागराज में ऊर्जा एवं विकास कार्यों की समीक्षा, मंत्री श्री ए के शर्मा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

'निर्बाध बिजली और समयबद्ध विकास कार्यों में समझौता नहीं'

- माघ मेले से पहले सभी प्रमुख परियोजनाएं हों पूर्ण
- विद्युत आपूर्ति से लेकर शहर के सौंदर्यीकरण तक हर कार्य तय समय पर करें पूरा, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई
- जनप्रतिनिधियों की मांगों को प्राथमिकता दें, जनता को किसी प्रकार की सुविधा न हो : ए के शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज प्रयागराज भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस सभागार में ऊर्जा विभाग, नगर विकास विभाग एवं विकास प्राधिकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिजली से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत का तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर के शेष कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही मेला क्षेत्र के किनारे स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संबंध में निर्देशित किया कि जहां उनकी आवश्यकता अभी भी बनी हुई है, वहां उन्हें हटाया न जाए, ताकि क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे। बैठक में मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने दोहराया कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसुविधाओं और विकास कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक परियोजना गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

- जनप्रतिनिधियों की मांग पर स्वीकृत अथवा निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाएं

नगर विकास एवं विकास प्राधिकरण की समीक्षा में मंत्री श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन परियो-जनाओं में तेजी लाकर उन्हें आगामी माघ मेले से पूर्व हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के कार्यों में भी गति लाने के निर्देश दिए।श्री शर्मा ने कहा कि महाकुंभ के पूर्व शहर के जिन प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण किया गया है, उनका पुनः निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। वर्षाकाल को देखते हुए सभी नालों की समयबद्ध सफाई कर जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाई जाए।

नशे की आदत पूरी दुनिया के लिए बना चैलेंज और समाज के लिए है अभिशाप - आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल

'युवा नशे से रहे दूर'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मद्य निषेध विभाग, उ०प्र० द्वारा चौधरी चरण सिंह सभागार सहकारिता भवन, लखनऊ में शुक्रवार को 'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की नेशनल एक्शन प्लान फार ड्रग डिमांड रिडक्शन (NAPDDR) योजनांतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA) के तहत मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जन जागरुकता हेतु मद्य निषेध प्रदर्शनी, संगोष्ठी सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रमुख सचिव समाज कल्याण श्री अनुराग यादव उपस्थित रहे। सर्वप्रथम आबकारी मंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा मद्य निषेध प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की बड़ी जिम्मेदारी

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना संकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आबकारी मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने 15 अगस्त, 2020 को नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य लोगों को खासतौर से युवाओं को नशे से दूर रखना था। माननीय प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें युवाओं की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला राष्ट्र है। हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि युवाओं को नशे की आदत से बचाए और उनकी असीम ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र के विकास में लगाए।

- 'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय दिवस' पर राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम आयोजित
- आबकारी मंत्री ने किया राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम का शुभारंभ, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर जताई गहरी चिंता
- नशा मुक्ति प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को आबकारी मंत्री ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम का संचालन शशांक वर्मा द्वारा किया गया

प्रमुख सचिव श्री अनुराग यादव ने नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृति पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि आज नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान की मुहिम को गति प्रदान करने की आवश्यकता है। केवल शासकीय प्रयासों से ही यह सम्भव नहीं होगा। इस कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। बलरामपुर चिकित्सालय के मानसिक रोग विशेषज्ञ डा0 पीके श्रीवास्तव ने विभिन्न मादक पदार्थों के दुरूपयोग के मनोसामाजिक कारणों पर व्यापक प्रकाश डालते हुए उससे बचने के तरीकों से अवगत कराया।

केजीएमयू की कैंटीन में कॉकरोचों का डेरा

केक और बन के ऊपर रेंगते दिखे कीड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) की शताब्दी फेज-1 स्थित दूसरी मंजिल की कैंटीन में स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कैंटीन में रखे केक, बन और क्रीम रोल पर कॉकरोच रेंगते दिखाई दिए। इसके बावजूद इन्हीं खाद्य पदार्थों की बिक्री जारी रही और मरीजों के तीमारदारों के साथ-साथ बड़ी संख्या में मेडिकल छात्र भी इन्हें खरीदते रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, केक के ट्रे में कई कॉकरोच मौजूद थे, जबकि बन और क्रीम रोल के ऊपर भी कॉकरोच चलते देखे गए। ऐसे हालात खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की ओर इशारा करते हैं। अस्पताल परिसर में इस तरह की लापरवाही मरीजों, उनके परिजनों और डॉक्टरों समेत स्वास्थ्यकर्मियों के लिए संक्रमण का जोखिम बढ़ा सकती है। खासतौर पर कमजोर इम्यूनिटी वाले मरीजों के लिए यह गंभीर चिंता का विषय है।

कैंटीन में बड़ी संख्या में मेडिकोज और अस्पताल कर्मचारी भी नाश्ता करते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अस्पताल परिसर में संचालित कैंटीनों की नियमित स्वच्छता जांच और खाद्य गुणवत्ता की निगरानी किस स्तर पर हो रही है।

KGMU प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि कैंटीन का एक वीडियो सामने आया है।

घटना : कर्मचारियों ने बुझाई, 1 घंटे बाद पहुंची दमकल, अमीनाबाद के सिंगार महल मार्केट में दुकान जली

वनस्टॉप सेंटर में लगी आग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज के भीषण अग्निकांड के बाद भी राजधानी में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार सुबह करीब डेढ़ घंटे के भीतर शहर के दो अलग-अलग इलाकों में आग लग गई।

पहला मामला कानपुर रोड स्थित लोकबंधु अस्पताल परिसर में संचालित आशा ज्योति (वन स्टॉप) सेंटर का रहा, जबकि दूसरा मामला अमीनाबाद के गड़बड़झाला स्थित सिंगार महल मार्केट की एक दुकान में सामने आया।

दोनों घटनाओं में समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, वन स्टॉप सेंटर की घटना के बाद बिजली विभाग और दमकल विभाग की लापरवाही सामने आई हैं। आशा ज्योति केंद्र की प्रभारी अर्चना सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम से ही बिजली बार-बार ट्रिप हो रही थी। इसकी सूचना बिजली विभाग को दी गई थी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। शुक्रवार सुबह आग लगने के बाद जेई समेत विभागीय अधिकारियों को कई बार फोन कर विद्युत आपूर्ति बंद कराने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी ने भी फोन रिसीव नहीं किया।

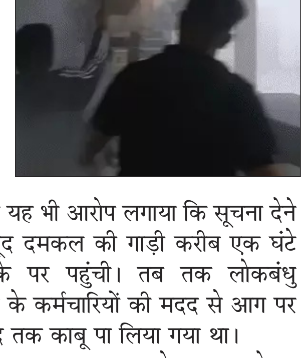

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद दमकल की गाड़ी करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक लोकबंधु अस्पताल के कर्मचारियों की मदद से आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया था।

शुक्रवार सुबह 5:38 बजे फायर स्टेशन हजरतगंज कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि अमीनाबाद के गड़बड़झाला स्थित सिंगार महल मार्केट में दुकान संख्या-81 में आग लग गई है। दुकान सिद्दीकी खान की बताई गई है।

> सेंटर प्रभारी का कहना है कि गुरुवार शाम से बिजली बार-बार ट्रिप होने की शिकायत के बावजूद विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। आग लगने के बाद भी जेई समेत कई कर्मचारियों को फोन किए गए, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं की।

लोकबंधु अस्पताल परिसर स्थित आशा ज्योति केंद्र में लगी आग

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह 5:50 बजे फायर स्टेशन आलमबाग को सूचना मिली कि लोकबंधु अस्पताल परिसर में संचालित आशा ज्योति केंद्र में आग लग गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी अग्निशमन अधिकारी धर्मपाल सिंह आलमबाग फायर स्टेशन से दो फायर टेंडर मौके के लिए रवाना किए गए। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आग आशा ज्योति केंद्र के लाइट पैनल में लगी थी और लोकबंधु अस्पताल के अग्निशमन कर्मी पहले से ही आग बुझाने में जुटे हुए थे। फायर कर्मियों ने तत्काल हौज पाइप बिछाकर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग में लाइट पैनल और फॉल्स सीलिंग टूट हो गई, जबकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मोबाइल झपटकर खाता साफ करने वाले पांच ठग गिरफ्तार

फोन छीन-चुराकर भाग जाते, कार-बाइक से घूमते थे, 14 मोबाइल मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब । लखनऊ की महिंगवां पुलिस और साइबर क्राइम सेल की संयुक्त टीम ने मोबाइल चोरी कर साइबर ठगी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में शुक्रवार को 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये पांचों सीतापुर के रहने वाले हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी भीड़भाड़ वाले बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से मोबाइल चोरी या झपटमारी करते थे। इसके बाद वे चोरी हुए मोबाइल में लगे सिम का उपयोग कर बैंक खातों से जुड़े यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग को सक्रिय करते थे। फिर खातों से रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर नकदी निकाल लेते थे और आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने उनके पास से 11 एंड्रॉयड मोबाइल, 3 की-पैड मोबाइल (कुल 14 मोबाइल), 8,358 रुपए नकद, विभिन्न बैंक डेबिट कार्ड, आधार व पैन कार्ड, दो सिम कार्ड, एक स्विफ्ट डिजायर कार और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों ने लखनऊ के ही महिंगवां क्षेत्र में लगभग 3.91 लाख रुपए और बीकेटी क्षेत्र में करीब 4.28 लाख रुपए की साइबर ठगी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ आरोपियों के खिलाफ पहले भी साइबर अपराध के मामले दर्ज हैं।

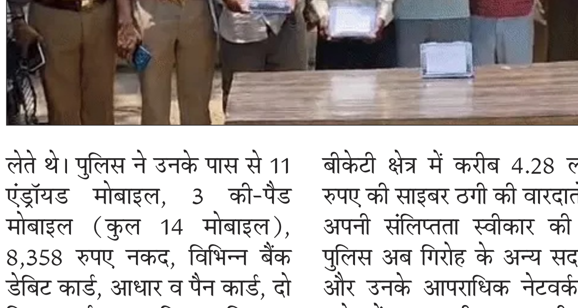

बाराबंकी में लाठी से पीटकर मार डाला, 'अपर जिला जज' लिखी कार से कुचला

रेप कए झउठए गवाहए से इनकार पर साले कए हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में रेप केस में फर्जी गवाही देने से इनकार करने पर शिकायतकर्ता ने अपने ही सगे साले की डंडों से पीट-पीटकर और कार से कुचलकर हत्या कर दी। जिस कार से युवक को कुचला गया, उस पर 'अपर जिला जज' की नेम प्लेट लगी थी। बुधवार देर शाम हुई यह वारदात जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर सिद्धौर-केसरगंज मार्ग पर कोठी थाना क्षेत्र में हुई। घटना के विरोध में गुरुवार देर शाम परिजनों ने शव रखकर प्रदर्शन किया। इसके बाद देर रात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी जीजा, उसके भाई और पिता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल तीनों आरोपी कार समेत फरार हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर 22 चोटों की पुष्टि हुई है।

परिजनों का आरोप है कि आरोपी लगातार अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष पर कोर्ट में उसके पक्ष में गवाही देने का दबाव बना रहा था। इसी वजह से महिला मायके में रह रही थी। 24 जून को कोर्ट में सुनवाई की तारीख थी। आरोपी ने फोन कर पत्नी और साले को गवाही के लिए बुलाया, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद दोनों वापस घर लौट आए।

पोस्टमॉर्टम के बाद शव रखकर प्रदर्शन

गुरुवार शाम पोस्टमॉर्टम के बाद शव मिलने पर परिजनों ने सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कोठी थाना प्रभारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह पर मामले को दबाने और कार्रवाई में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया और उनकी तलाश शुरू कर दी। बाद में अधिकारियों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया गया।

परिजनों के मुताबिक, कुछ देर बाद आरोपी ने फिर फोन कर युवक को अपने घर बुलाया। बुधवार शाम युवक अपने दो दोस्तों के साथ बाइक से बहन के ससुराल जा रहा था। तभी कोठी थाना क्षेत्र में रास्ते में आरोपी, उसके भाई और पिता ने कार से बाइक में टक्कर मार दी।

जज से खरीदी थी कार, भौकाल के लिए नहीं हटाई नेम प्लेट

ग्राम प्रधान प्रशासक कोलहदा और अधिवक्ता अरविंद वाजपेयी के मुताबिक, घटना में इस्तेमाल कार आरोपी अतुल मिश्र ने कुछ महीने पहले एक अपर जिला जज से खरीदी थी। कार पर पहले से लगी 'अपर जिला जज' की नेम प्लेट को उसने भौकाल बनाने के लिए नहीं हटाया था। घटना के दौरान वही नेम प्लेट मौके पर मिली। कोठी थाना प्रभारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरदोई एएसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह बने आईपीएस अधिकारी

यूपीएससी की डीपीसी से मिली मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) मार्तण्ड प्रकाश सिंह को भारतीय पुलिस सेवा (IPS) कैडर में पदोन्नत किया गया है। नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की विभागीय पदोन्नति समिति (DPC) ने उनके नाम पर मुहर लगाई। मार्तण्ड प्रकाश सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा (PPS) के वरिष्ठ अधिकारियों में से हैं। उन्होंने 15 मई 2003 को सेवा में प्रवेश किया था, और 15 मई 2005 को उनकी सेवाएं नियमित की गईं। वर्तमान में, वे हरदोई में एएसपी पश्चिमी के रूप में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्हें अपनी शांत, अनुशासित और प्रभावी कार्यशैली के लिए जाना जाता है। गुरुवार 25 जून को यूपीएससी मुख्यालय में हुई डीपीसी बैठक में उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण भी उपस्थित रहे। समिति ने वर्ष 1997 से 2000 बैच के कुल 30 पीपीएस अधिकारियों को आईपीएस कैडर में पदोन्नति देने की संस्तुति को मंजूरी दी। राज्य सरकार की औपचारिक अधिसूचना जारी होने के बाद ये सभी अधिकारी आईपीएस कैडर में शामिल हो जाएंगे। मार्तण्ड प्रकाश सिंह का नाम पदोन्नति पाने वाले 30 अधिकारियों की सूची में शामिल है। इस उपलब्धि पर पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है।

फास्ट न्यूज

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी के फतेहपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में साइकिल सवार 70 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान ग्राम लहसी निवासी राम शंकर पुत्र बोहारी लाल के रूप में हुई है। शुक्रवार सुबह राम शंकर खेतों में उपयोग के लिए डीजल खरीदने फतेहपुर गए थे।

मजदूर की बेटी को आयकर विभाग ने समन भेजा

उन्नाव। उन्नाव के गिरिजाबाग मोहल्ले में रहने वाली बीए की छात्रा रश्मि सविता को आयकर विभाग ने 20.98 करोड़ रुपये की आय छिपाने और बड़े कारोबार से जुड़े लेनदेन के संबंध में समन भेजा है। मजदूर परिवार से ताल्लुक रखने वाली रश्मि और उनके परिजनों ने इस पर हैरानी जताई है। रश्मि सविता को यह समन 30 अप्रैल को आयकर विभाग चंडीगढ़ की ओर से आयकर अधिनियम की धारा 131(1A) के तहत जारी किया गया था। इस धारा के तहत आमतौर पर आय छिपाने या वित्तीय अनियमितताओं की आशंका होने पर जांच की जाती है। समन में रश्मि को पांच मई तक अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।

खेत में मिला युवक का शव

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर थाना क्षेत्र के मरौंदा गांव के पास शुक्रवार को एक खेत में युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने युवक की मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के पुरवा टेनई निवासी नीरज वर्मा (पुत्र मुन्नू वर्मा) के रूप में हुई है।

ट्रेन से कटकर किसान की मौत

बाराबंकी में पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जांच जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां रामनगर कोतवाली क्षेत्र में एक किसान की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना 26 जून 2026 को बुढ़वल–सीतापुर रेलखंड पर खैतौरा गांव के पास हुई। प्राइवेट रेलवे कर्मचारी रामबली ने पुलिस को सूचना दी कि डाउन लाइन पर ट्रेन संख्या 05860 की चपेट में आकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पर तत्काल पुलिस और रेलवे से जुड़े कर्मचारी मौके पर पहुंचे, जहां जांच के दौरान व्यक्ति को मृत पाया गया। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर शव को कब्जे में लिया और शुरुआती जांच शुरू की। मृतक की पहचान मैनेजर सिंह (55) पुत्र स्वर्गीय भगवान बक्श सिंह के रूप में हुई, जो रामनगर थाना क्षेत्र के खैतौरा मजरा अशोकपुर गांव के रहने वाले थे। उनकी पहचान होते ही पुलिस ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, मैनेजर सिंह पेशे से किसान थे और अपने परिवार के भरण-पोषण का मुख्य सहारा थे। परिजनों ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे, जिसके कारण उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। परिवार में वह अपने पिता के इकलौते पुत्र थे। उनके पिता का निधन पहले ही हो चुका था, जिससे परिवार पर पहले से ही कई जिम्मेदारियां थीं। मृतक की पत्नी मंजू सिंह और दो बेटे—सिंधु राज सिंह और विभाशु सिंह—हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों की भारी भीड़ मृतक के घर पर जुट गई और हर कोई इस अचानक हुई घटना से स्तब्ध नजर आया। रामनगर कोतवाली प्रभारी अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर विधिक प्रक्रिया पूरी कर ली है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक तौर पर मामला ट्रेन की चपेट में आने का लग रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि यह महज एक दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी हो सकता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति और अधिक स्पष्ट हो पाएगी।

संवेदनशीलता और कार्यप्रणाली पर सवाल, हरदोई में सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

भाजपा विधायक श्याम प्रकाश की डॉक्टरों पर टिप्पणी से बहस

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। गोपामऊ से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश द्वारा सोशल मीडिया पर डॉक्टरों की कार्यप्रणाली और संवेदनशीलता को लेकर की गई टिप्पणी के बाद जिले सहित प्रदेश स्तर पर एक नई बहस छिड़ गई है। उनकी टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली और तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। यह पूरा मामला तब सामने आया जब विधायक की कथित लापरवाही से जुड़ी एक खबर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक श्याम प्रकाश ने अपनी टिप्पणी में कहा कि आज के समय में अधिकांश लोग केवल धन अर्जित करने में व्यस्त हैं और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से डॉक्टरों की नई पीढ़ी में संवेदनशीलता की कमी होने का भी आरोप लगाया। विधायक ने अपनी टिप्पणी में यह भी सवाल उठाया कि क्या कुछ लोग अनुचित या गलत तरीकों से डॉक्टर बनने में सफल हो रहे हैं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बहस और तेज हो गई। विधायक की टिप्पणी के बाद फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तीखी बहस देखने को मिल रही है। कुछ लोग इसे स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों की ओर ध्यान आकर्षित करने वाला बयान बता रहे हैं।

"कई यूजर्स ने विधायक के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की आवश्यकता है और कई जगहों पर लापरवाही के मामले सामने आते रहते हैं। वहीं, बड़ी संख्या में लोगों ने इस टिप्पणी का विरोध करते हुए इसे पूरे चिकित्सक समुदाय पर सामान्यीकृत और अनुचित बयान बताया। विरोध करने वालों का कहना है कि कुछ घटनाओं के आधार पर पूरे पेशे को कटघरे में खड़ा करना सही नहीं है।

पहले भी उठाते रहे हैं जनहित के मुद्दे

श्याम प्रकाश इससे पहले भी विभिन्न जनहित के मुद्दों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर अपने बयानों के कारण चर्चा में रहे हैं। उनकी यह ताजा टिप्पणी एक बार फिर राजनीतिक और चिकित्सा दोनों ही क्षेत्रों में चर्चा का विषय बन गई है। फिलहाल, इस मामले पर किसी प्रमुख चिकित्सक संगठन या राजनीतिक दल की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, सोशल मीडिया पर यह मुद्दा लगातार ट्रेंड कर रहा है और चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

हरदोई में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर

महिला की मौत, ताजिया देखने मायके जा रही थी, पति घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मझिला थाना क्षेत्र के पांडेयतारा गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में यह घटना हुई। महिला अपने पति के साथ मायके ताजिया देखने जा रही थी, जबकि उसका पति मामूली रूप से घायल हो गया। शुक्रवार की दोपहर शव का पोस्टमॉर्टम हुआ। मझिला थाना क्षेत्र के चठिया धनवार गांव निवासी एहसान घरेलू सामान की फेरी का काम करते हैं। उनकी ससुराल माधौगंज कस्बे के मोहल्ला चिकिया अंबेडकर नगर में है। गुरुवार शाम एहसान अपनी 35 वर्षीय पत्नी शबीना के साथ बाइक से माधौगंज स्थित अपनी ससुराल ताजिया देखने जा रहे थे। चठिया धनवार गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर पांडेय तारा गांव के पास पहुंचने पर सामने से आ रही एक अन्य बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण शबीना सड़क पर गिर गईं और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। हेलमेट लगाए उनके पति एहसान को मामूली चोटें लगीं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से शबीना को तत्काल मेडिकल कॉलेज भेजा गया। गुरुवार देर रात इलाज के दौरान डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका शबीना के तीन पुत्रियां हैं। इस घटना के बाद से परिजनों में दुख का माहौल है।

अब कॉलेजों में भी अनिवार्य होगी यूनिफॉर्म, शासन ने जारी किए निर्देश

मनमुताबिक कपड़े पहनने पर रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। जिले के सभी महाविद्यालयों में अब विद्यार्थियों के लिए यूनिफॉर्म अनिवार्य किए जाने की दिशा में प्रक्रिया शुरू हो गई है। शासन के निर्देश के बाद शिक्षा संस्थानों में एक समान ड्रेस लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। हालांकि कॉलेज प्रबंधन को ड्रेस का रंग और डिजाइन तय करने की स्वतंत्रता दी गई है। अब तक जिले के कॉलेजों में छात्र-छात्राएं अपनी पसंद के कपड़ों में कक्षाओं में उपस्थित होते थे, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह स्थिति बदलने वाली है। इससे कॉलेज परिसरों में अनुशासन और एकरूपता लाने की कोशिश की जा रही है। जिले में फीरोज गांधी महाविद्यालय, बैसवारा पीजी कॉलेज लालगंज, कमला नेहरू महाविद्यालय तेजगांव और सर्वोदय विद्या पीठ पीजी कॉलेज सहित चार वित्त पोषित महाविद्यालय संचालित हैं। इसके अलावा करीब 103 स्ववित्तपोषित कॉलेज भी हैं। इन सभी संस्थानों में लगभग 15 हजार छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जिन पर यह नया नियम लागू होने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यूनिफॉर्म लागू होने के बाद छात्रों को रोजाना कपड़े के चयन की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इससे उनका ध्यान फैशन की बजाय पढ़ाई पर केंद्रित रहेगा। साथ ही अभिभावकों पर भी आर्थिक बोझ कुछ हद तक कम होगा, क्योंकि रोज नए कपड़ों की आवश्यकता नहीं होगी।

अनुशासन और समानता की दिशा में कदम

शिक्षाविदों का मानना है कि यूनिफॉर्म लागू होने से छात्रों के बीच सामाजिक और आर्थिक अंतर कम होगा और समानता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। प्रो. अरुण कुमार के अनुसार, अलग-अलग कपड़े और लाइफस्टाइल के कारण कई बार छात्र खुद को दूसरों से अलग महसूस करते हैं, लेकिन यूनिफॉर्म से यह अंतर कम होगा और पढ़ाई का माहौल बेहतर बनेगा। वहीं प्रो. शैला श्रीवास्तव ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से भी यूनिफॉर्म उपयोगी साबित हो सकती है। भीड़-भाड़ या बाहरी स्थानों पर छात्रों की पहचान आसान हो जाएगी और किसी अनजान व्यक्ति की पहचान करना भी सरल होगा।

प्रो. अरविंद सिंह ने कहा कि एक समान ड्रेस कोड से छात्रों में अनुशासन की भावना विकसित होती है और संस्थान के नियमों के पालन की आदत मजबूत होती है। इससे कॉलेजों में "टीम भावना" को भी बढ़ावा मिलेगा और शैक्षणिक माहौल अधिक संगठित होगा। शासन के इस कदम को लेकर कॉलेज प्रशासन और शिक्षा विशेषज्ञों के बीच चर्चा तेज हो गई है, जबकि छात्रों में भी इसे लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

निर्णय : राजपत्रित अधिकारियों के लिए शासन ने 2.86 करोड़ रुपये मंजूर

उन्नाव में बनेंगे चार पुलिस गेस्ट हाउस

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में पुलिस विभाग के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में शासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब जनपद में बाहर से आने वाले राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के ठहरने और विभागीय कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए चार नए गेस्ट हाउसों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए शासन ने 2 करोड़ 86 लाख 50 हजार रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। जानकारी के अनुसार, उन्नाव में लंबे समय से बाहर से आने वाले उच्च स्तरीय पुलिस अधिकारियों के लिए उचित आवासीय व्यवस्था की कमी महसूस की जा रही थी। इस कारण अधिकारियों को कई बार असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या को देखते हुए पुलिस विभाग द्वारा गेस्ट हाउस निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया था, जिसे अब शासन स्तर से हरी झंडी मिल गई है। शासनादेश के अनुसार, ये चारों गेस्ट हाउस उन्नाव जनपद के दारोगा बाग स्थित चांदमारी बट क्षेत्र में बनाए जाएंगे। यह स्थान प्रशासनिक दृष्टि से उपयुक्त माना गया है, जहां से पुलिस विभाग के विभिन्न कार्यों का संचालन भी सुगमता से किया जा सकेगा। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सी एंड डीएस जल निगम को सौंपी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसमें पर्यावरणीय मंजूरी, तकनीकी स्वीकृति और अन्य जरूरी अनापत्तियां शामिल होंगी।

सुविधाओं में विस्तार की दिशा

शासन की मंजूरी के बाद अब निर्माण प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है। चांदमारी बट में बनने वाले ये गेस्ट हाउस पुलिस विभाग की सुविधाओं में विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

31 मार्च 2027 तक पूरा होगा कार्य

परियोजना के लिए समय सीमा भी निर्धारित कर दी गई है। शासनादेश के अनुसार, इन चारों गेस्ट हाउसों का निर्माण कार्य 31 मार्च 2027 तक पूरा किया जाना है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद उन्नाव में पुलिस विभाग की आधारभूत सुविधाएं और अधिक मजबूत होंगी। अधिकारियों के ठहरने की बेहतर व्यवस्था होने से प्रशासनिक कार्यों में भी तेजी आने की उम्मीद है। शासन के इस कदम को पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि इन गेस्ट हाउसों के बनने के बाद जिले में आने वाले वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और अन्य राजपत्रित अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था बेहतर हो सकेगी। पुलिस विभाग का मानना है कि इस निर्माण से प्रशासनिक कार्यों में भी सुविधा मिलेगी और विभागीय गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी।

करंट लगने से युवक की मौत

संविदाकर्मी भाई ने भेजा था, लाइन जोड़ते समय हुआ हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र के पंचमपुर गांव में शुक्रवार को बिजली के करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। परिजनों ने युवक को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान उद्घाखेड़ा निवासी सनोज पुत्र रमेश के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 22 वर्ष बताई जा रही है। मृतक का भाई विनोद बिजली विभाग में संविदाकर्मी है। विनोद ने शुक्रवार सुबह शटडाउन लेकर अपने भाई सनोज को पंचमपुर गांव में बिजली सप्लाई जोड़ने के लिए भेजा था। इसी दौरान सनोज करंट की चपेट में आ गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा अचानक करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी रही। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर से परिवार में शोक छा गया है। बताया जा रहा है कि सनोज की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। वह चार भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी तीन बहनें भी हैं। परिवार के अनुसार, सनोज घर की जिम्मेदारियों में सहयोग करता था। उसकी अचानक मौत से परिवार सदमे में है। घटना की जानकारी मिलने के बाद गंगाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि युवक किन परिस्थितियों में बिजली के करंट की चपेट में आया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

सम्पादकीय

नागरिकता का प्रमाण

विदेश मंत्रालय के इस स्पष्टीकरण ने कि पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, एक बहस को जन्म दे दिया है तो इसीलिए, क्योंकि आम धारणा यही थी कि पासपोर्ट नागरिकता का सबसे पुष्ट प्रमाण होता है। यह आम धारणा इसके बाद भी थी कि पासपोर्ट एक्ट ऐसा नहीं कहता। इस एक्ट के अनुसार विशेष परिस्थितियों में गैर-भारतीयों को भी पासपोर्ट जारी किया जा सकता है। उच्च न्यायालयों ने भी यही निर्णय दिया है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद इस पर बहस होना स्वाभाविक है कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है तो फिर क्या है? यह प्रश्न इसलिए भी सतह पर है, क्योंकि हाल में और विशेष रूप से कुछ राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के वक्त यह कहा गया कि आधार भी नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसी तरह पैन, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड इत्यादि भी नागरिकता के प्रमाण पत्र नहीं माने गए। यह सही है कि नागरिकता का निर्धारण सिटिजनशिप एक्ट के तहत होता है, लेकिन समस्या यह है कि देश के लोगों को किसी तरह का नागरिकता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता।

सिटिजनशिप एक्ट यह तो बताता है कि जन्म, वंश, देश में लंबी अवधि तक रहने और कुछ अन्य आधारों पर नागरिकता तय होती है, लेकिन अपने देश में अन्य देशों की तरह नागरिकता का कोई विशिष्ट प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता। विश्व के विकसित और यहां तक कि कई विकासशील देशों में यह काम किया जाता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इन देशों के लोगों को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए तरह-तरह के दस्तावेजों का सहारा नहीं लेना पड़ता। चूंकि सिटिजनशिप एक्ट इसकी सिफारिश करता है कि भारत सरकार प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण कर सकती है, राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी कर सकती है और अपने नागरिकों का रजिस्टर यानी एनआरसी तैयार कर सकती है, इसलिए यह काम किया ही जाना चाहिए।

हालांकि अतीत में नागरिकता प्रमाण पत्र के लिए एनआरसी लाने और आधार को एनआरसी से जोड़ने की कोशिश की गई, लेकिन कुछ हो नहीं सका। इसके बाद नागरिकता कानून में संशोधन करने यानी सीएए बनाने के बाद एनआरसी की आवश्यकता जताई गई, लेकिन उसके खिलाफ दुष्प्रचार के तहत एक अभियान छेड़ दिया गया। इससे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने की पहल ठंडे बस्ते में चली गई। अभी तक केवल असम में नागरिक रजिस्टर तैयार किया जा सका है। उचित यह होगा कि शेष देश में भी ऐसा ही किया जाए और एनआरसी तैयार कर लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिए जाएं। यह पहल घुसपैठियों की पहचान करने के साथ कई अन्य समस्याओं का भी समाधान करेगी।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

> मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षड्यंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है।

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना। पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

ललित गर्ग

अणुव्रत को अपनायें

अणु यानी सूक्ष्मतम कण पर शक्ति असीम असाधारण हैं । यह सृजनात्मक भी, विध्वंसात्मक भी आदि हैं ।हम सभी विध्वंस का दृश्य तो जानते ही हैं । वह हिरोशिमा नागासाकी की विनाशलीला हैं । वह सृजनात्मकता में ऊर्जा का असीम रचनात्मक स्रोत है । यह लघु कण हैं । यह एटॉमिक ऊर्जा से विद्युत उत्पादन है जो इसके साक्षात उदाहरण हैं । आदमी के भीतर संस्कारों का जगत होता हैं । वह इस जगत में सत् संस्कार भी होते हैं और असत् संस्कार भी होते हैं । वह इस जगत में हिंसा का भाव भी हो सकता हैं तो अहिंसा का भाव भी हो सकता हैं । वह इस जगत में बुराईं के बीज हो सकतें हैं तो अच्छाईं के बीज भी हो सकतें हैं । वह अपेक्षा इस बात की होती हैं कि असत् को कृश और क्षीण करने का तथा सत् को बढ़ावा देने का , हिंसा को अपेक्षानुसार कमजोर करने का और अहिंसा को बलवान बनाने का , बुराईं को दूर करने का और अच्छाईं को निकट लाने का और आत्मसात् करने का प्रयास सकतें हैं । आचार्य श्री तुलसी के उर्वर मस्तिष्क में एक कल्पना उठी, कैसे लघु व्रतों से जीवन सँवारना हैं । वह विद्युत तरंग सा एक उनको रचनात्मक सपना आया। वह लघु में विशाल का गहन चिन्तन किया था । वह सकारात्मक सोच का स्पंदन व अणुव्रतों का अवतरण हुआ। यह शनैः शनैः राष्ट्रव्यापी नैतिकता का आंदोलन बना । हर वर्ग का जन-जन और सात समुद्र पार का भी जनजीवन लाभान्वित हुआ । वह इस प्रयास के संदर्भ में हम अणुव्रत का दर्शन कर सकते हैं । हम यदा- कदा अणुव्रत की बात करतें हैं । जैन आगमों में भी हमें अणुव्रत की बात प्राप्त होती हैं । आचार्य श्री भिक्षु ने जो एक सिद्धांत दिया था वह अणुव्रत आन्दोलन का आधार माना जा सकता हैं । मिथ्यात्वी की करणी भी मोक्ष मार्ग की देश आराधिका हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

जांच की मांग ...

राजु कुमारइतिहास

कारोबार और सत्ता के रिश्ते पर गहराती बहस

मध्यप्रदेश की राजनीति में समय-समय पर ऐसे विवाद सामने आते रहे हैं, जिन्होंने सत्ता और संपत्ति के रिश्ते पर सवाल खड़े किए हैं। अभी हाल ही में राष्ट्रीय दैनिक इंडियन एक्सप्रेस की विस्तृत जांच रिपोर्ट ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के परिवार, करीबी रिश्तेदारों और उनसे जुड़ी कंपनियों ने पिछले दो वर्षों में उज्जैन और उसके आसपास बड़े स्तर पर भूमि खरीदी की है। रिपोर्ट में विशेष रूप से इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है कि इन खरीदों का एक बड़ा हिस्सा उन क्षेत्रों में दिखाई देता है, जहां सड़क परियोजनाएं, कॉरिडोर, बायपास, भूमि उपयोग परिवर्तन या अन्य विकास गतिविधियां प्रस्तावित अथवा क्रियान्वित हो रही हैं यानी इस खरीदी में एक खास पैटर्न दिखाई देता है। रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस, वाम दलों और अन्य विपक्षी दलों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है। दूसरी ओर भाजपा ने इस प्रकरण पर जवाब दिया है कि मुख्यमंत्री के रिश्तेदार स्वतंत्र कारोबारी हैं और उनके निजी लेन-देन को मुख्यमंत्री से जोड़ना उचित नहीं है। दो दशक पहले शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री बनने के बाद सामने आया डंपर प्रकरण भी ऐसा ही एक मामला था। उस विवाद में भी शुरुआती बहस किसी अपराध के सिद्ध होने की नहीं थी। लेकिन आरोप इतने गंभीर थे कि मामला अदालतों तक पहुंचा, जांच हुई और वर्षों तक मध्यप्रदेश की राजनीति में बहस का विषय बना रहा। डॉ.मोहन यादव का परिवार लंबे समय से रियल एस्टेट कारोबार में सक्रिय रहा है। उज्जैन उनका गृह नगर है। आने वाले सिंहस्थ को देखते हुए वहां लगातार विकास कार्यों की घोषणाएं हो रही हैं। ऐसी स्थिति में यदि परिवार या रिश्तेदार भूमि खरीदते हैं, तो केवल इसी आधार पर सीधे किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि इसमें घोटाला हुआ है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर ऐसा पैटर्न क्यों दिखाई दे रहा है? यदि एक खोजी रिपोर्ट

भूमि अभिलेखों, मास्टर प्लान, सड़क परियोजनाओं और भूमि खरीद के बीच एक संबंध रेखांकित करती है, तो उसे केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र में कई बार सवाल किसी एक लेन-देन से नहीं, बल्कि अनेक घटनाओं के बीच दिखाई देने वाले क्रम और प्रवृत्ति से पैदा होते हैं। उज्जैन भूमि प्रकरण में भी यही स्थिति है। ऐसी परिस्थितियों में यदि सत्ता के करीब माने जाने वाले परिवार और उससे जुड़े कारोबारी समूह उन्हीं इलाकों में सक्रिय दिखाई देते हैं, तो जनता के मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। यदि किसी खोजी रिपोर्ट में विकास परियोजनाओं और भूमि निवेश के बीच एक विशेष मेल सामने आता है, तो मामला केवल जमीन खरीदने का नहीं रह जाता। वह विकास की दिशा, भूमि निवेश और सार्वजनिक पद की नैतिक जवाबदेही से भी जुड़ जाता है। ऐसे प्रश्नों पर स्वतंत्र जांच की मांग को अस्वाभाविक नहीं माना जा सकता। राजनीतिक समाचार विश्लेषण कांग्रेस का तर्क है कि उसने मुख्यमंत्री की जाति या सामाजिक पृष्ठभूमि पर सवाल नहीं उठाया है, बल्कि भूमि खरीद और विकास परियोजनाओं के बीच दिखाई दे रहे संबंधों पर सवाल खड़े किए हैं। भाजपा की ओर से इसे पिछड़े वर्ग के नेतृत्व को बदनाम करने का प्रयास बताया गया है। यह राजनीतिक जवाब हो सकता है, लेकिन इससे मूल सवाल का समाधान नहीं होता। यदि संदेह भूमि सौदों को लेकर है, तो उसका उत्तर भूमि सौदों और उनसे जुड़े तथ्यों से ही आएगा। जांच की मांग को केवल विपक्षी राजनीति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यदि वास्तव में सभी भूमि खरीद सामान्य कारोबारी गतिविधियों का हिस्सा हैं एवं विकास परियोजनाओं और जमीन खरीद के बीच कोई अनुचित संबंध नहीं है, तो निष्पक्ष जांच का सामना करना चाहिए। इस पूरे विवाद का राजनीतिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह डॉ. मोहन यादव से जुड़ा पहला बड़ा व्यक्तिगत विवाद बनकर उभरा है। यदि आने वाले दिनों में और दस्तावेज, नए तथ्य या अतिरिक्त भूमि लेन-देन सामने आते हैं, तो विवाद और गहरा सकता है। जुलाई में विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। स्वाभाविक है कि विपक्ष इस मुद्दे को सदन में भी उठाएगा। उज्जैन भूमि प्रकरण में जरूरी है कि राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर तथ्यों की निष्पक्ष जांच हो। क्योंकि इस मामले का सबसे महत्वपूर्ण सवाल अभी भी अनुत्तरित है। यदि सब कुछ सामान्य है।

लखनऊ के कोचिंग ...

डॉ. अरुण मित्रा

क्या प्रतिभा का सही आकलन कर पाती हैं नीट जैसी परीक्षाएं?

लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में कई विद्यार्थियों की दुखद मृत्यु हो गई और कई घायल हो गए। नीट पेपर लीक के बाद भी देश के कई हिस्सों से लगातार विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की खबरें सामने आई हैं। देश के बड़े कोचिंग सेंटर कोटा से भी वर्ष दर वर्ष विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की घटनाएं हो रही हैं। ये अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटनाएं हैं, जिन पर समाज और सरकारों- दोनों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके साथ ही पिछले कई वर्षों में हम यह भी देख रहे हैं कि विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो जाते हैं। ऐसे पेपर लीक अक्सर धनबल और मिलीभगत के जरिए संभव होते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे उनके भीतर अनिश्चितता और तनाव बढ़ जाता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पिछले दस वर्षों में लगभग 90 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं। विद्यार्थी कड़ी मेहनत करते हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने की उम्मीद से परीक्षाओं में बैठते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में परिवार भी बराबर का भागीदार होता है, क्योंकि माता-पिता भी चाहते हैं कि उनके बच्चे बेहतर उच्च शिक्षा प्राप्त करें। अनेक विद्यार्थी एक ही परीक्षा तीन-चार बार तक देते हैं, इस उम्मीद में कि किसी प्रयास में बेहतर अंक प्राप्त कर उनके मनचाहे संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा। जब प्रश्नपत्र लीक होते हैं तो विद्यार्थियों में गुस्सा, निराशा और असहायता की भावना पैदा होती है। यह समझना कठिन नहीं है कि किसी विद्यार्थी के एक परीक्षा में अच्छा

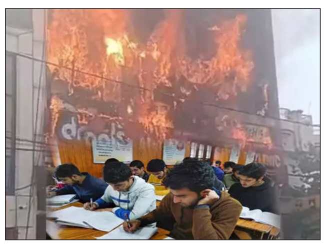

प्रदर्शन करने की कोई गारंटी नहीं होती कि वह दोबारा परीक्षा में भी वैसा ही प्रदर्शन कर सकेगा। कम उम्र में कई विद्यार्थी इस मानसिक दबाव को सहन नहीं कर पाते और कुछ आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं, जिससे परिवार और समाज दोनों को गहरा आघात पहुंचता है। स्कूली शिक्षा में शिक्षकों के साथ संवाद, चर्चा और विद्यार्थियों के बौद्धिक दायरे का विस्तार शामिल होता है, जो उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत कोचिंग संस्थानों का मुख्य उद्देश्य प्रवेश परीक्षा के प्रश्न हल कराना और याद रखने की तकनीक सिखाना होता है। विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि जीवन का एकमात्र लक्ष्य किसी भी तरह प्रवेश प्राप्त करना है, जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक, ज्ञानवान व्यक्ति, व्यापक दृष्टिकोण वाले विचारक और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील इंसान तैयार करना है। कोचिंग संस्थानों पर भारी खर्च आता है, जिसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग वहन नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप उनके बच्चे प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह भी अक्सर सुनने में आता है कि कई कोचिंग संस्थान स्वयं ऐसे विद्यार्थियों का चयन करते हैं जिनसे बेहतर परिणाम की उम्मीद होती है।

जरा हटके

इस प्रकार के ...

ओ.पी. पाल

प्रशासनिक शुचिता पर सवालः क्या सचमुच बदला गया यूपी लोक सेवा आयोग का ढांचा?

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका की शुचिता और प्रशासनिक पारदर्शिता उसके सबसे मजबूत स्तंभ होते हैं। लोकतंत्र के स्तंभ तब सबसे ज्यादा डगमगाते हैं, जब जनसेवा और कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने वाली संस्थाओं पर ही भ्रष्टाचार और विधिक उल्लंघन के गंभीर आरोप लगते हैं। पिछले दिनो ही उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव के खिलाफ प्रयागराज में दी गई एक ताजा विधिक शिकायत ने एक बार फिर प्रशासनिक नियुक्तियों, शक्तियों के हस्तांतरण और चुनावी आचार संहिता के अनुपालन पर गंभीर बहस छेड़ दी है और इस एक शिकायत ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। एक अधिवक्ता द्वारा दी गई इस तहरीर ने न केवल चयन प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं, बल्कि 'संस्थागत भ्रष्टाचार' की ओर भी इशारा किया है। वहीं दूसरी ओर इस पूरे मामले के विधिक और प्रशासनिक पहलुओं को भी सामने लाकर खड़ा करने का दावा किया गया है।

दरअसल,इस मामले की शुरुआत साल 2011 से जुड़ी है। शिकायत के अनुसार, 11 जनवरी 2011 को तत्कालीन प्रमुख सचिव (संसदीय कार्य एवं विधानसभा) द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई थी। आरोप है कि इस अधिसूचना के जरिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) जैसी संवैधानिक संस्था के अधिकारों को छीनकर विधानसभा की एक आंतरिक 'चयन समिति' को सौंप दिया गया। यद्यपि इस प्रक्रिया में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 187(3) का हवाला दिया गया था, लेकिन आरोप है कि इसके वास्तविक संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी की गई। यह शक्तियों

का विकेंद्रीकरण नहीं, बल्कि कथित तौर पर एक ऐसा ढांचा तैयार करना था जिसके जरिए नियुक्तियों पर मनमाना नियंत्रण पाया जा सके। इसके बाद हुई समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) की भर्तियां लगातार विवादों के घेरे में रहीं, यहाँ तक कि उच्च न्यायालय को इसमें सीबीआई जांच तक के आदेश देने पड़े। इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू दिसंबर 2011 से मार्च 2012 के बीच का है। उत्तर प्रदेश में उस वक्त विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू थी। नियमतः इस अवधि में किसी भी प्रकार की नई नियुक्ति या स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध होता है। परंतु, शिकायत में लगाए गए आरोपों के मुताबिक जनवरी 2012 में बिना किसी पूर्व रिक्ति के और बिना लोक सेवा आयोग के परामर्श के विज्ञापन जारी किया गया। 6 मार्च 2012 को, जब मतगणना चल रही थी, प्रदीप कुमार दुबे को विधानसभा का प्रमुख सचिव नियुक्त कर दिया गया। सबसे गंभीर विसंगति यह सामने आती है कि तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष सुखदेव राजभर उस दिन लखनऊ में नहीं, बल्कि आजमगढ़ के दीदारगंज क्षेत्र में अपनी मतगणना में व्यस्त थे। ऐसे में उनकी भौतिक अनुपस्थिति के बावजूद उनकी 'उपस्थिति और संस्तुति' दिखाना सीधे तौर पर दस्तावेजों की कूटरचना की ओर संकेत करता है?

इस प्रकार के मामलों में यदि प्रशासनिक परंपराओं, नियमों और आरोपित पक्ष के संभावित विधिक बचाव को देखा जाए, तो भारतीय संविधान का अनुच्छेद 187(3) विधानसभा सचिवालय को एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय का दर्जा देता है। इसके तहत विधानसभा अध्यक्ष और राज्यपाल के परामर्श से सचिवालय अपने भर्ती नियम बनाने या उनमें संशोधन करने के लिए अधिकृत होता है। पूर्व में भी कई राज्यों के सचिवालयों ने अपने यहाँ सीधी भर्ती के लिए स्वयं की चयन समितियां बनाई हैं, जिसे विधिक रूप से जायज ठहराया जाता रहा है। वैसे भी विधानसभा सचिवालय के भीतर नियुक्तियों और निर्णयों पर विधानसभा अध्यक्ष का सर्वोच्च नियंत्रण होता है। ऐसे मामलों में अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि अध्यक्ष द्वारा ली गई संस्तुतियां या उनके निर्देश विशेषाधिकार के दायरे में आते हैं, जिन्हें सामान्य प्रशासनिक आचार संहिता के चश्मे से पूरी तरह नहीं देखा जा सकता। वहीं आवश्यक प्रशासनिक पदों (जैसे प्रमुख सचिव) को खाली न रखने या संक्रमण काल (चुनाव के दौरान) में व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने के लिए राज्यपाल या सक्षम प्राधिकारी की विशेष अनुमति से नियुक्तियां या कार्यभार सौंपे जाने के विधिक प्रावधान और अपवाद मौजूद होते हैं। जब किसी राज्य में युवाओं के रोजगार से जुड़ी संस्थाएं विवादों में घिरती हैं, तो इसका सीधा असर प्रदेश के लाखों बेरोजगारों के मनोबल पर पड़ता है। प्रतियोगिता परीक्षाओं की दिन-रात तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का भरोसा व्यवस्था से उठने लगता है। यदि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की जगह 'अपराधिक साठगांठ' और 'फर्जी दस्तावेजों' का सहारा लिया गया है, तो यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ किया गया एक गंभीर खिलवाड़ है?

लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था (विधानसभा) की साख और लाखों युवाओं के भरोसे से जुड़े इस पूरे मामले की एक उच्च स्तरीय, स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना अनिवार्य है। कानून का यह सर्वमान्य सिद्धांत है कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। चूंकि यह मामला सीधे तौर पर लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था (विधानसभा) की साख और लाखों युवाओं के भरोसे से जुड़ा है, इसलिए इस पूरे मामले की एक उच्च स्तरीय, स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना अनिवार्य है। वैसे भी कानून का शासन यही कहता है कि आरोप चाहे कितने भी ऊंचे पद पर बैठे व्यक्ति पर क्यों न हों, उनकी निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए। यदि उत्तर प्रदेश में पारदर्शिता और विधि का शासन बनाए रखना है, तो इस मामले की तह तक जाकर सच को सामने लाना होगा, ताकि राज्य के युवाओं को यह भरोसा मिल सके कि उनकी योग्यता की कद्र है, किसी कूटरचना की नहीं?

कौशांबी में ड्राइवर जिंदा जला, सिर्फ हड्डियां बचीं, 16 बाइकें और 2 कारें जलकर राख

टोल बूथ से टक्कर के बाद एलपीजी टैंकर में लगी आग

- आग इतनी भयानक थी कि चारों तरफ धुआं ही धुआं छा गया। कुछ भी देख पाना मुश्किल हो गया।
- आग के बाद झुलसे टोल कर्मचारी आलोक पांडेय सड़क किनारे तड़पते दिखाई दिए।
- फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। सड़क की एक लेन को ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है।

धमाका

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक LPG टैंकर बेकाबू होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। टक्कर के बाद तेज धमाका हुआ और टैंकर में आग लग गई। हादसे में टैंकर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसका शव पूरी तरह जल गया और कंकाल का कुछ हिस्सा ही बरामद हो सका। वहीं, पांच टोल कर्मचारी भी झुलस गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक टैंकर पूरी तरह जल चुका था। टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और दो कारें भी आग की चपेट में आकर जल गईं। आग बुझने के बाद जब टीम टैंकर के अंदर पहुंची तो चालक की हड्डियां मिलीं। इससे पहले सूचना मिली थी कि चालक टैंकर से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल हो गया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग की ऊंची लपटों को देखकर टोल प्लाजा के दोनों ओर बसों और कारों की लंबी कतारें लग गईं। करीब 2 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी टोल प्लाजा पर हुआ। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया- टोल कर्मियों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, टक्कर के बाद टैंकर से गैस का रिसाव होने लगा। इस वजह से पहले तेज धमाका हुआ, फिर आग लग गई। डीएसओ (DSO) और तकनीकी टीम को सूचित कर दिया गया है, जो मौके पर पहुंचकर घटना के सटीक कारणों की जांच करेगी। उन्होंने बताया- हादसे में 7 लोग घायल हुए थे। 5 लोगों का जिला अस्पताल में शुरुआती इलाज कराया गया। पांच को हालत नाजुक

टाल प्लाजा क याड म खड़ा 16 बाइकें और 2 कारें जलीं

टोल कर्मचारी संजय निर्मल ने बताया- हादसे से 10 मिनट हल्की-फुल्की बारिश हुई थी। पता नहीं अचानक क्या हुआ कि पूरी गाड़ी एकदम धड़ाम से गिर गई। उसके बाद गैस लीक होने लगी। अचानक आग भड़क गई। आग प्लाजा सटे यार्ड और टॉयलेट तक फैल गई। यार्ड में खड़ी 16 से ज्यादा बाइकें और 2 कारें जलकर राख हो गईं। यार्ड में टोल कर्मचारी अपनी गाड़ियां पार्क करते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- टैंकर कानपुर से प्रतापगढ़ की ओर जा रहा था। घटना ओवरटेक के चक्कर में हुई। टैंकर की स्पीड लगभग 60-70 किमी/घंटा के आसपास थी। इस दौरान टैंकर डिवाइडिंग लेन से टकराकर पलट गया। इस दौरान टैंकर ड्राइवर और कंडक्टर कूदकर मौके से फरार हो गए।

फास्ट न्यूज

17.5 लाख की जमीन के लिए सास को मार डाला

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के जलालपुर गांव में 17.5 लाख रुपए की 70 बिस्वा जमीन के लिए बहू ने सास को मार डाला। तपती गर्मी में उसने अपनी सास पर खौलता पानी फेंक दिया था। जलन से तड़पती बुजुर्ग महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां गुरुवार की देर रात करीब 12 बजे सास ने दम तोड़ दिया। बड़े बेटे की तहरीर पर जहानगंज थाने की पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कच्ची दीवार गिरने से ग्रामीण की मौत

उन्नाव। उन्नाव के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के सराय गांव में शुक्रवार सुबह एक कच्ची दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान सराय गांव निवासी 45 साल की पप्पू पुत्र गयादीन के रूप में हुई है। पप्पू मजदूरी कर जीवन यापन करता था। वह अविवाहित था और अपने परिवार के साथ रहता था। शुक्रवार सुबह वह पड़ोस में रहने वाली अपनी चाची जगदेई पत्नी छोटेलाल के घर गया था। बताया जा रहा है कि चाची के घर पर अचानक कच्ची दीवार भरभरा-कर गिर गई।

बृजभूषण सिंह को जान से मारने की धमकी

गोंडा। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे जान से मारने की धमकी दी गई। यह धमकी पंडित शंकर दत्त शुक्ला नाम के व्यक्ति ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट करके दी। पोस्ट में उसने लिखा- यह शंकर दत्त शुक्ला ने आज तक जो बोला है, वो किया है और करने वाले हैं। पूरे सिस्टम को आग लगा देंगे। नेता बृजभूषण शरण सिंह को खुल्लम-खुल्ला दागेंगे।

एक रजिस्ट्रेशन पर चले रहे कई कोचिंग सेंटर

8 विभागों की टीम करेगी वेरिफिकेशन, प्राइवेट आर्किटेक्ट का नक्शा मान्य नहीं होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

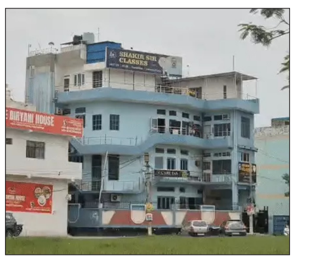

अलीगढ़। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अलीगढ़ जिला प्रशासन एक्शन मोड़ में है। प्रशासन ने अवैध निर्माण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर संचालित संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई के डर से कई नामी कोचिंग सेंटरों पर ताले लटक गए हैं, जबकि कई संचालक सेंटर बंद कर फरार हो गए हैं। अब जिले के आठ विभागों की संयुक्त टीम कोचिंग सेंटर, अस्पताल, होटल, लाइब्रेरी और अन्य कॉमर्शियल भवनों की व्यापक जांच करेगी। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) के उपाध्यक्ष कुलदीप मीणा ने बताया कि पहले सभी विभाग अपने यहां पंजीकृत और अपंजीकृत संस्थानों की सूची तैयार करेंगे। इसके बाद संचालकों से स्वीकृत नक्शा, फायर एनओसी, विद्युत सुरक्षा प्रमाणपत्र, लिफ्ट रजिस्ट्रेशन समेत अन्य जरूरी दस्तावेज मांगे जाएंगे। यदि दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए तो संबंधित संस्थान को सीधे सील कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब तक अलग-अलग विभाग अलग-अलग कार्रवाई करते थे, जिससे कई कमियां छिप जाती थीं। अब संयुक्त टीम मौके पर ही जांच कर निर्णय लेगी। इस अभियान में जिला प्रशासन, एडीए, अग्निशमन विभाग, विद्युत सुरक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पूर्ति विभाग और पुलिस शामिल रहेगी। फायर विभाग के अनुसार वर्ष 2022 में नए फायर सेफ्टी नियम लागू होने के बावजूद शहर के अधिकांश व्यावसायिक भवनों ने फायर एनओसी नहीं ली है। सबसे अधिक अनियमितताएं अस्पतालों में मिली हैं। अब स्वास्थ्य विभाग किसी भी नए अस्पताल का पंजीकरण करने से पहले एडीए से भवन के नक्शे का सत्यापन कराएगा।

राज्यसभा सांसद का विपक्ष पर हमला

पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने कहा- अब विपक्ष को भगवान की याद आने लगी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा शुक्रवार को कानपुर पहुंचे। यहां बीजेपी ने 1975 में लगी इमरजेंसी की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाया। इस दौरान राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कांग्रेस पर संविधान की हत्या करने का आरोप लगाया। साथ ही दावा किया कि 2027 के यूपी विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी बड़ी जीत दर्ज करेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अब विपक्षी नेताओं को भी भगवान की याद आने लगी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी रामलला के दर्शन करने जाएंगे। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि जो लोग पहले राम मंदिर के नाम पर 'ना-ना' करते थे, आज वही वहां जाकर माथा टेक रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय नानी की बात मानने वाले नेताओं को अब उनकी याद क्यों नहीं आ रही। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लेते हुए कहा कि जो लोग पहले राम मंदिर के मुद्दे पर विरोध या दूरी बनाए रखते थे, वही अब वहां जाकर दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव जनता देख रही है। दिनेश शर्मा ने यह भी कहा कि पहले कुछ नेता राम मंदिर को लेकर 'ना-ना' की स्थिति में थे, लेकिन अब परिस्थितियां बदलने के बाद वही लोग रामलला के दर्शन कर रहे हैं।

'जो राम मंदिर नहीं जाते थे, अब दर्शन कर रहे'

दिनेश शर्मा ने कहा कि जो नेता पहले राम मंदिर जाने से इनकार करते थे, अब वही दर्शन करने पहुंच रहे हैं। उन्होंने बिना नाम लिए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि पहले वह कहते थे कि उनकी नानी ने रामलला के दर्शन के लिए जाने से मना किया था, लेकिन अब मंदिर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वह दिन भी दूर नहीं है, जब समाजवादी पार्टी के मुखिया भी रामजी को प्रणाम करने जाएंगे।

राहुल, सोनिया और प्रियंका का भी लिया नाम

दिनेश शर्मा ने कहा कि जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलवाई, आज वही मंदिर बनने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव भी रामलला की आरती करते और घंटी बजाते नजर आएंगे। उन्होंने विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में आने पर यही लोग कब्रिस्तान और श्मशान के नाम पर भेदभाव की राजनीति करते हैं।

गोरखपुर-कानपुर देहात में बारिश, सड़कों पर भरा पानी

32 शहरों में बरसात का अलर्ट, 48 घंटे में दस्तक दे सकता है मानसून

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में मानसून अगले 24 से 48 घंटों के अंदर एंट्री कर सकता है। मौसम विभाग (IMD) का कहना है कि प्रदेश में मानसून के लिए अनुकूल मौसमी सिस्टम तैयार हो गया है। मानसून 1-2 दिनों में यानी 28 जून तक बिहार बॉर्डर से गोरखपुर-महराजगंज के रास्ते प्रदेश में एंट्री कर सकता है। 29 जून तक लखनऊ पहुंच सकता है। 1-2 जुलाई तक पूरे यूपी में छा सकता है। आमतौर पर मानसून 20 जून तक आ जाता है। यानी इस बार 8 दिन लेट है। मानसून 15-16 दिनों से महराजगंज के पास अटका हुआ है। शुक्रवार को कानपुर देहात में तेज बारिश हुई। इससे पहले देर रात गोरखपुर में करीब एक घंटे तक झमाझम बरसात हुई। सड़कों पर पानी भर गया। इसके अलावा, पूरे प्रदेश में तेज धूप है। उमस से लोगों का हाल बेहाल है। बादलों की आवाजाही जारी है, लेकिन उससे गर्मी पर कुछ खास असर नहीं पड़ रहा। पारा 44°C के पार पहुंच गया है। आज 32 शहरों में बारिश का अलर्ट है। पूर्वी और मध्य यूपी के 38 जिलों में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले, गुरुवार को गाजियाबाद और प्रयागराज में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। मेरठ में हल्की बूंदाबांदी हुई। बांदा सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 44.2°C रिकॉर्ड किया गया।

अलीगढ़ में 50 को बचाया, फिल्मी स्टाइल में कूदकर सीट पर बैठा

बस चलाते-चलाते ड्राइवर की मौत, आर्मीमैन ने स्टेयरिंग संभाली

- यात्रियों ने पानी छिड़ककर ड्राइवर को होश में लाने की कोशिश की।
- बस बेकाबू होकर बिजली के पोल से टकरा गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में शुक्रवार सुबह रोडवेज बस चला रहे ड्राइवर की कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। ड्राइवर की तबीयत बिगड़ते ही बस बेकाबू होकर दूसरी लेन में जाने लगी, तभी बस में सवार एक पूर्व आर्मी मैन ने सूझबूझ दिखाते हुए स्टेयरिंग संभाल ली। हालांकि, तब तक बस बिजली के खंभे और एक गाय से टकरा गई। हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने ड्राइवर को बस से उतारकर CPR देने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मथुरा के गोवर्धन निवासी गणेश (45) पुत्र चेतराम के रूप में हुई है।

जैसे ही बस गोरई थाना क्षेत्र के बेस-वां स्थित फोंदानगला गांव के पास पहुंची, चालक गणेश की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जब तक कंडक्टर और यात्री कुछ समझ पाते, बस बेकाबू होकर दूसरी लेन की ओर जाने लगी। तभी बस में सवार एक पूर्व आर्मी मैन ने तुरंत स्टेयरिंग संभाल लिया।

यात्रियों ने सीपीआर देने की कोशिश की

हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। यात्रियों ने तुरंत चालक गणेश को बस से नीचे उतारा और CPR देकर बचाने की कोशिश की। इसी बीच सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें मंगला-यतन अस्पताल पहुंचाया।

वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद कार्डियक अरेस्ट से मौत की पुष्टि करते हुए उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद यात्रियों को दूसरी बस से उनके स्थान के लिए रवाना कर दिया गया। इगलास के उपजिलाधिकारी परितोष मिश्रा ने बताया- चालक की मौत कार्डियक अरेस्ट आने से हुई है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

महिला सिपाही की चेन लूटने वाला बदमाश एनकाउंटर में ढेर

शामली। यूपी के शामली में शुक्रवार तड़के 5 बजे 50 हजार का इनामी बदमाश मेहताब एनकाउंटर में मारा गया। बदमाश किसान से मोबाइल लूटकर भाग रहा था। पुलिस ने 12 किमी तक पीछा कर उसे घेर लिया। खुद को घिरता देख उसने कार्बाइन से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश मारा गया।

मुठभेड़ दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर कांधला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी मेहताब उर्फ बेचैन मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था। उस पर 34 मुकदमे थे। 1 मार्च को उसने शामली में ही महिला सिपाही से तमंचे के बल पर कुंडल और चेन लूट ली थी। इसके अलावा, एक शुगर मिल के अफसर के साथ भी लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। किसान से लूट की सूचना के बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की थी। बदमाशों की फायरिंग के जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की, जिसमें मेहताब घायल हो गया।

हंगामा : लक्जरी गाड़ियों से आधी रात किया हंगामा, पुलिस हिरासत में हंसता रहा सुल्तान

गोरखपुर रामगढ़ताल में हुड़दंग मचाते 8 गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर रामगढ़ताल की नौकायन चौकी के पास हुड़दंग करते हुए 8 मनबढ़ों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमे एक आरोपी सुल्तान पुलिस की हिरासत में भी हंसता रहा। गोरखपुर रामगढ़ताल की नौकायन पुलिस चौकी के पास बुधवार देर रात फार्च्यूनर समेत तीन वाहनों से पहुंचे युवकों ने हंगामा शुरू कर दिया। बीच सड़क वाहन खड़ा कर शोर-शराबा करने और राहगीरों से विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया। तब मनबढ़ पुलिस से ही उलझ गए। इसके बाद रामगढ़ताल थाना की पुलिस ने 08 युवकों को हिरासत में ले लिया और कई मनबढ़ मौके का फायदा उठाकर भाग गए। गुरुवार को आरोपियों के कब्जे से मिली 2 कार सीज करने के साथ ही सभी का शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया गया। पुलिस के अनुसार 24 जून की रात नौकायन चौकी के पास मनबढ़ युवक बीच सड़क पर वाहन खड़ा कर हंगामा कर रहे थे। आने-जाने वाले लोगों से उनकी कहासुनी भी हो रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को वहां से हटाने का प्रयास किया, लेकिन वे पुलिसकर्मियों से ही बहस करने लगे। इसके बाद पुलिस ने विपिन कन्नौजिया उर्फ सुल्तान, राहुल कन्नौजिया, कुशीनगर के कसया स्थित बरवा जंगल निवासी आदित्य शर्मा, तुर्कपट्टी के छहूं निवासी यश सिंह, देवरिया के महुआडीह भटनी दादन गांव के सोनू गौतम, खलीलाबाद के सचिन, विवेक शर्मा तथा प्रमोद यादव को हिरासत में ले लिया।

रामगढ़ताल पुलिस की हिरासत में बेखौफ हंसता रहा सुल्तान

हंसता रहा सुल्तान, हैरान हो गई पुलिस

पकड़े गए मनबढ़ों की पहचान बांसगांव के बैदौली बाबू निवासी विपिन कन्नौजिया उर्फ सुल्तान, राहुल कन्नौजिया, कुशीनगर के कसया स्थित बरवा जंगल निवासी आदित्य शर्मा, तुर्कपट्टी के छहूं निवासी यश सिंह, देवरिया के महुआडीह भटनी दादन गांव के सोनू गौतम, खलीलाबाद के सचिन, विवेक शर्मा तथा प्रमोद यादव को हिरासत में ले लिया। इसमे विपिन कन्नौजिया उर्फ सुल्तान पर पहले से कई केस थानों में दर्ज है। वह गिरोह का संचालन करता है। रामगढ़-ताल थाने में पुलिस के सामने वह लगातार हंसता रहा। जिसे देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान हो गए।

इन मामलों से चर्चा में आया सुल्तान

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार विपिन कन्नौजिया उर्फ सुल्तान दो वर्ष पहले सर्किट हाउस के पास हुई चर्चित फायरिंग की घटना के बाद सुर्खियों में रहा था। साल 2024 में ही रामगढ़ताल पुलिस ने जेएसआर गार्डेन से अवैध असलहे के साथ रील बनाते हुए विपिन कन्नौजिया उर्फ सुल्तान को गिरफ्तार किया था।

इंस्टाग्राम से दोस्ती कर किशोरी से शारीरिक संबंध बनाया

गोरखपुर में बड़ी बहन की गंदी फोटो अपलोड की, गुड़गांव से दे रहा धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

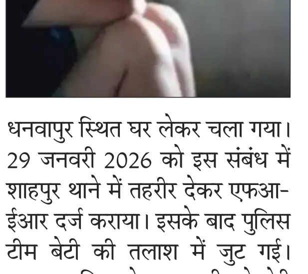

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर थाने में नाबालिग लड़की से शारीरिक संबंध बनाने और परिवार को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गुरुवार को परिजनों ने शाहपुर थाने में तहरीर देकर हरियाणा गुड़गांव के आर्यन निषाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पिता का आरोप है कि इंस्टाग्राम से दोस्ती कर बेटी को आरोपी गुड़गांव लेकर भाग गया था। वहां 4 दिन घर पर रखकर उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाया। शाहपुर इलाके में रहने वाले किशोरी के पिता ने तहरीर देकर बताया कि मेरी 17 साल की नाबालिग लड़की से आरोपी आर्यन निषाद इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती किया। कुछ दिन दोनों के बीच बातें होती रहीं। इस दौरान बेटी को बहला-फुसलाकर आर्यन अपने गुड़गांव के धनवापुर स्थित घर लेकर चला गया। 29 जनवरी 2026 को इस संबंध में शाहपुर थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस टीम बेटी की तलाश में जुट गई। शाहपुर पुलिस ने 4 फरवरी को मेरी बेटी को गुड़गांव स्थित आर्यन के घर से बरामद किया। इसके बाद बेटी को बीआरडी मेडिकल कॉलेज के वन स्टाप सेंटर में रखा गया। पिता का आरोप है कि इस दौरान केस की विवेचना करने वाले विवेचक ने मेरी बेटी से कहा कि जो बयान महिला कांस्टेबल लिख रही है, वही बात तुमको कोर्ट में भी कहना है। गारंटी देता हूं कि आगे से आर्यन और उसकी मां कभी तुम्हारे घरवालों को परेशान नहीं करेंगे। बातों में उलझाकर बेटी के बयान में शारीरिक संबंध वाली बात हटा दी गई। जबकि उसका 4 दिनों तक शारीरिक शोषण किया था। पिता का आरोप है कि विवेचक की लापरवाही की वजह से आरोपी आर्यन का मन और बढ़ गया। इधर वह मेरी बेटी का इंस्टाग्राम अकाउंट का पासवर्ड बदलकर हैक कर लिया। अब वह मेरी बड़ी बेटी की आपत्तिज-नक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर कर रहा है। बड़ी बेटी के मोबाइल पर कॉल कर उसने धमकी दी कि छोटी बहन को समझा दो कि अपना मोबाइल ऑन करे, वरना पूरे परिवार को जान से मार दूंगा। इसके बाद से ही पूरा परिवार डरा सहमा हुआ है।

हरियाणा से हरिद्वार दर्शन करने जा रहे थे, टाटा टियागो को बोलेरो ने मारी टक्कर

एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। जिले में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। रामपुर मनिहारान थाना क्षेत्र में देहरादून–पंचकूला हाईवे पर तेज रफ्तार बोलेरो ने पीछे से टाटा टियागो कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा करीब शाम 4:30 बजे हुआ। टाटा टियागो कार में सवार सभी लोग हरियाणा के सोनीपत जिले के मंडोरा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। परिवार हरिद्वार में दर्शन के लिए जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर यह दर्दनाक

हादसा हो गया। मृतकों की पहचान चरण सिंह के परिवार के सदस्यों के रूप में हुई है। कार में चरण सिंह, उनकी पत्नी सुदेश, बहू प्रीति, पोता शिवांश सहित अन्य परिजन सवार थे। अचानक पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टाटा टियागो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद हाईवे पर बढ़ते सड़क हादसों को लेकर चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और सख्त कार्रवाई न होने के कारण इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।फिलहाल पुलिस आगे की जांच में जुटी है और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

चार लोगों की मौके पर मौत, तीन घायल

स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद चरण सिंह की पत्नी सुदेश, बहू प्रीति, पोते शिवांश और एक अन्य बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में प्रवीण, सहदेव और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

हाईवे पर सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों और लापरवाह ड्राइविंग पर चिंता जताई है।
लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन हादसे होते रहते हैं, लेकिन सख्त कार्रवाई न होने से स्थिति जस की तस बनी हुई है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच में जुटी है और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। साथ ही बोलेरो वाहन और उसके चालक की तलाश भी की जा रही है।

अमरोहा में अपंजीकृत कीटनाशक वाली अगरबत्तियों पर अलर्ट

फेफड़े और किडनी के लिए हैं 'धीमा जहर', सरकार ने दिए जांच के आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

अमरोहा। आराम की नींद के लिए लोग अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। मच्छरों को भगाने व मारने के लिए प्रयोग की जाने वाली अगरबत्तियों में अपंजीकृत कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है। शासन ने चार ब्रांड की अगर-बत्तियों के सैंपल भरकर जांच कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिस पर जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने किराना की दुकानों का निरीक्षण किया लेकिन, उनको संबंधित ब्रांड की अगरबत्तियां नहीं मिली। इस बीच अधिकारियों ने दुकानदारों को चेताया है कि चारों ब्रांड की अगरबत्तियों का क्रय-विक्रय बिल्कुल नहीं किया जाए। रात की नींद में मच्छर खलल डालते हैं तो आदमी बेचैन हो जाता है। वह उनसे पार पाने के प्रयास शुरू कर देता है। ऐसे में आजकल लोग अगरबत्तियों का प्रयोग करते हैं। लेकिन, यह अगर-बत्तियां भी धीमा जहर का काम कर रही हैं। सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं। इन अगरबत्तियों में अपंजीकृत कीटनाशक मैपर-फ्लूट्रिन व डैमीफ्लूट्रिन का प्रयोग किया जा रहा है। इसका पता चलने के बाद शासन ने प्रदेशभर के कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। चार ब्रांड स्वीट नाइट, डायनोसुर, श्री डेन्क्यू किलर, कंमफर्ट ब्रांड की अगरबत्तियों के नमूने भरकर जांच करवाने को कहा है।

स्वास्थ्य पर पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. मोहम्मद इदरीश ने बताया कि जिन अगरब-त्तियों में अपंजीकृत कीटनाशकों का इस्तेमाल हो रहा है, उनके लगातार में संपर्क रहने से मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे फेफड़े, मष्तिष्क, किडनी व पेट और हृदय से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए उनका प्रयोग करने से बचें।

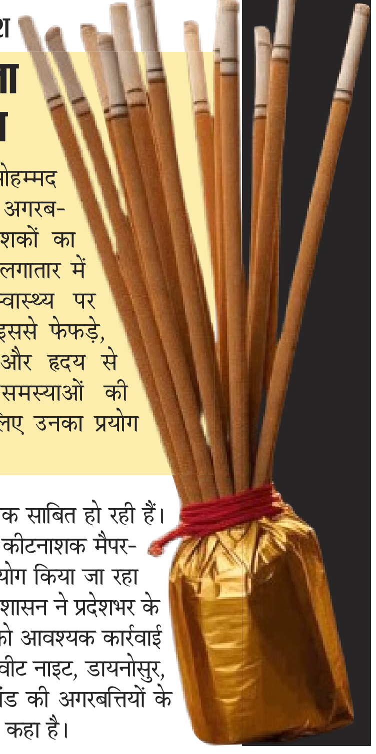

फास्ट न्यूज

मोहर्रम जुलूस देखने गया किशोर खंभे में उतरे करंट की चपेट में आया

प्रयागराज। शहर में दर्दनाक घटना हुई। शुक्रवार सुबह मोहर्रम का जुलूस देखने पहुंचा एक अकीदतमंद किशोर बिजली करंट की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। चौक क्षेत्र में घंटाघर चौकी के पास हुई इस दुर्घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई। बताया गया है कि शहर के बहादुरगंज निवासी मो. कासिम का 17 वर्षीय बेटा मो. हमजा शुक्रवार अलसुबह मोहर्रम का ताजिया देखने के लिए घंटाघर के पास गया था।

85 साल के बुजुर्ग का दो पोतों ने किया बेरहमी से कत्ल

सरूरपुर (मेरठ)। करनावल गांव में हिस्सेदारी की 25 बीघा जमीन को लेकर 85 साल के बुजुर्ग किसान की बेरहमी से हत्या कर दी गई। नकाब लगाकर पैदल आए दो हमलावरों ने पहले गोली मारी। उसके बाद सीने और कमर पर चाकू से छह वार किए।

जाते समय हमलावरों ने जमीन पर खून से लथपथ पड़े बुजुर्ग को हिलाकर भी देखा। सूचना के बाद एसपी देहात और सीओ मौके पर पहुंचे। दो पोतों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों आरोपित फरार हैं।

मोहर्रम को लेकर मथुरा में अलर्ट

मथुरा। मथुरा में मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के निर्देश पर गुरुवार देर रात तक शहर के संवेदन-शील इलाकों में विशेष सुरक्षा अभियान चलाया गया। कोतवाली और गोविंद नगर थाना पुलिस ने व्यापक चेकिंग अभियान के साथ पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

मालिक ने नौकर को सड़क पर गिराकर बेरहमी से पीटा

मुजफ्फरनगर में श्रमिकों के उत्पीड़न के बाद एक और मामला उजागर

तमसा संकेत, एजेंसी

(मुजफ्फरनगर)। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव रोनी हरजीपुर में एक बिहार निवासी नौकर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मजदूर को सड़क पर गिराकर लाठी से पीटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपित मजदूर के साथ मारपीट करते हुए दिख रहा है। वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। थाना क्षेत्र के ग्राम रोनी हरजीपुर निवासी बब्लू उर्फ मनोज पुत्र जगपाल के यहां बिहार राज्य के जनपद कटियार थाना पुरानपुर

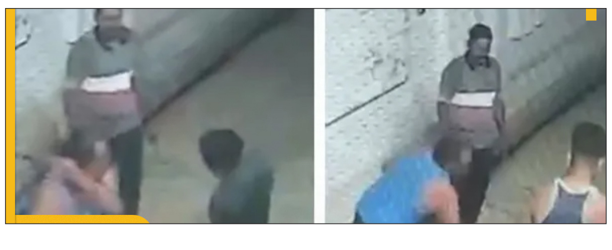

के गांव खाजाहटिया निवासी राजू पुत्र बजल 14 जून को नौकर के रूप में काम करने के लिए आया था। आरोप है कि काम को लेकर हुए विवाद के बाद मालिक ने गाली-गलौच करते हुए नौकर को सड़क पर गिराकर डंडे से पीटा। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपित काफी देर तक मजदूर को पीटता रहा। यह घटना मजदूरों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े करती है। हाल ही में जनपद के तितावी क्षेत्र में भी मजदूरों को प्रताड़ित करने का एक मामला सामने आया था, जो काफी चर्चा में है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण दहिया ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपित मालिक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

'वंदे मातरम' बनेगा राष्ट्रीय विमर्श का विषय

सीसीएसयू ने मांगे शोध आलेख, राजभाषा सम्मेलन की स्मारिका में होगा प्रकाशन

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (CCSU) ने शिक्षकों और शोधार्थियों से शोध आलेख एवं लेख आमंत्रित किए हैं। ये आलेख हिंदी दिवस-2026 और छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली राष्ट्रीय स्मारिका में शामिल किए जाएंगे। इस वर्ष स्मारिका का केंद्रीय विषय 'वंदे मातरम' रखा गया है। विश्वविद्यालय की साहित्यिक-सांस्कृतिक परिषद की ओर से कुलपति के निर्देश पर सभी विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर शिक्षकों एवं शोधार्थियों से निर्धारित विषयों पर सरल, सहज और शोधपरक हिंदी में लेख भेजने का आग्रह किया गया है। परिषद की अध्यक्ष प्रो. नीलू जैन गुप्ता और समन्वयक प्रो. कृष्ण कांत शर्मा ने बताया कि स्मारिका का उद्देश्य 'वंदे मातरम्' के विभिन्न आयामों को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाना है। राजभाषा विभाग के सहयोग से 14 और 15 सितंबर 2026 को महाराष्ट्र के नवी मुंबई में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में हिंदी दिवस एवं छठा अखिल भारतीय राजभाषा

सम्मेलन आयोजित होगा। इसी अवसर पर यह विशेष स्मारिका प्रकाशित की जाएगी। परिषद ने लेखन के लिए 12 विषय निर्धारित किए हैं। इनमें 'स्वाधीनता आंदोलन में वंदे मातरम की प्रेरक भूमिका' को सबसे महत्वपूर्ण और समसामयिक विषय माना गया है। इसके अलावा बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय भाषाओं में 'वंदे मातरम' की अभिव्यक्ति, भारतीय संस्कृति में इसका स्थान और वर्तमान युवा पीढ़ी के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता जैसे विषय भी शामिल हैं। लेख यूनिकोड फान्ट में टाइप किए गए होने चाहिए। सामान्य लेखों की अधिकतम शब्द सीमा 3,000 और शोध आलेखों की 5,000 शब्द निर्धारित की गई है।

'वंदे मातरम्' विषय के लिए निर्धारित 12 बिंदु

- *'वंदे मातरम्' गीत की रचना : परिस्थितियाँ और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि*
- *बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय : व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्रभावना*
- *भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में 'वंदे मातरम्' गीत की प्रेरक भूमिका-कालक्रमानुसार*
- *'वंदे मातरम्' : गुलामी के विरुद्ध वैचारिक जागृति का उद्घोष*
- *वंदे मातरम् और हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना*
- *भारतीय भाषाओं में वंदे मातरम् की अभिव्यक्ति*
- *राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' और भारतीय भाषाई एकात्मता*
- *'वंदे मातरम्' : राष्ट्रीय एकता, भाषा और संस्कृतियों का सेतु*
- *भारतीय कला, संगीत और रंगमंच में 'वंदे मातरम्'*
- *आधुनिक भारत में 'वंदे मातरम्' गीत की प्रासंगिकता*
- *'वंदे मातरम्' : राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और आत्मगौरव का प्रतीक*
- *युवा पीढ़ी और 'वंदे मातरम्' : वर्तमान परिप्रेक्ष्य*

अलीगढ़ में अकीदत के साथ निकाला ताजिया जुलूस

जंजीरी मातम हुआ, सड़कों पर उमड़ी भीड़

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में मुहर्रम के मौके पर अकीदत और गम का माहौल रहा। कर्बला के शहीदों की याद में शहर के विभिन्न इलाकों से पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाले गए। इस दौरान इमाम हुसैन की शहादत को याद कर अकीदतमंदों की आंखें नम हो गईं। जुलूस में शामिल युवाओं ने हैरतअंगेज करतब दिखाए और जंजीरी मातम कर अपना दुख जाहिर किया, जिसे देखकर हर कोई सिहर उठा। इस दौरान पुलिस-प्रशासन मुस्तैद रहा और सुरक्षा के आरएएफ और पीएसी जवान तैनात रहे। शहर में पुलिस और जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात है। जुलूस के मुख्य मार्गों, चौराहों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस, पीएसी और आरएएफ के जवान तैनात हैं। प्रशासनिक और पुलिस

अधिकारी लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। मुहर्रम पर सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो, इसके लिए खुद डीएम और एसएसपी ने कमान संभाली। शुक्रवार को दोनों शीर्ष अधिकारियों ने भारी फोर्स के साथ थाना देहलीगेट क्षेत्र के ईदगाह और थाना हरदुआगंज के जलाली चौकी क्षेत्र का दौरा किया। वहीं, ताजिया जुलूस के संवेदनशील रास्तों और मोड़ों का बारीकी से मुआयना किया गया। ताजिया जुलूस के चलते शहर की मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक जाम न हो, इसके लिए यातायात पुलिस ने पहले ही एक व्यापक डायवर्जन प्लान लागू कर दिया था।

ट्रेन की चपेट में आने से इंजीनियर की मौत

लखीमपुर का रहने वाला था, गुजरात में करता था नौकरी

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में रोजा क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर मिले युवक की पहचान लखीमपुर खीरी निवासी 25 वर्षीय सौरव तिवारी के रूप में हुई है। सौरव गुजरात की एक निजी कंपनी में लैब टेक्नीशियन थे और भतीजे के जन्म पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर लौट रहे थे। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनकी हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंका गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। परिजनों के मुताबिक, सौरव 23 जून को गुजरात से ट्रेन से रवाना हुए थे। 24 जून की रात वह बरेली पहुंचे, जहां से उन्होंने एक रिश्तेदार को फोन कर ऑटो की जानकारी ली। इसके बाद रात करीब 11 बजे वह लखीमपुर जाने वाली बस में सवार हो गए। बताया गया कि रात करीब 3 बजे उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। इसके बाद परिवार का उनसे कोई

संपर्क नहीं हो सका। गुरुवार सुबह रोजा क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक युवक घायल अवस्था में मिला। उसके पास कोई पहचान पत्र नहीं था। युवक का एक हाथ कटा हुआ था और शरीर पर कई चोटों के निशान थे। इलाज के दौरान गुरुवार शाम उसकी मौत हो गई। सौरव के घर नहीं पहुंचने पर परिजन चिंतित हो गए। मृतक के मामा सर्वेश शुक्ला ने मोबाइल की लाइव लोकेशन देखी, जो जलालनगर मोहल्ले की दिखाई दे रही थी। इसके बाद उन्होंने रोडवेज बस अड्डे और राजकीय मेडिकल कॉलेज में तलाश की। गुरुवार रात जीआरपी ने सर्वेश शुक्ला को शव की तस्वीरें दिखाईं, जिसके बाद उन्होंने सौरव की पहचान की। मृतक के भाई गौरव तिवारी ने कंपनी के एचओडी और एक अन्य कर्मचारी पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दोनों लगातार सौरव से लाइव लोकेशन मांग रहे थे। गौरव के अनुसार, गुरुवार सुबह कंपनी के एक कर्मचारी ने सौरव के लापता होने की सूचना दी थी। वहीं, शव मिलने से पहले कंपनी के एचओडी ने भी फोन कर परिवार से बरेली में सौरव की तलाश करने को कहा था।

मोबाइल, बैग और जूते गायब होने पर उठाए सवाल

परिजनों का आरोप है कि सौरव का मोबाइल फोन, बैग और जूते घटनास्थल से गायब थे। उनका कहना है कि यदि सौरव बस से लखीमपुर जा रहे थे तो उनका शव रेलवे ट्रैक पर कैसे पहुंचा। परिवार ने यह भी सवाल उठाया कि शव मिलने के बाद एचओडी ने ही उनके मोबाइल पर शव की तस्वीर भेजी। ऐसे में उनके पास यह तस्वीर कैसे पहुंची, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

उधार के रुपये और छुट्टी को लेकर भी लगाए आरोप

परिवार का आरोप है कि सौरव ने कंपनी के एचओडी को उधार रुपये दिए थे। एचओडी की ससुराल भी बरेली में है। परिजनों का कहना है कि सौरव को डेढ़ साल से छुट्टी नहीं दी गई थी। घर में कार्यक्रम होने के बावजूद पहले छुट्टी से इनकार किया गया, बाद में 23 जून को घर भेजा गया और 29 जून तक लौटने के लिए कहा गया था। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। परिजनों से तहरीर मिलने के बाद उसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

रामभक्तों की ...

जनआस्था के साथ खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं है। किसी को छूट नहीं देंगे। सीएम ने कहा- अयोध्या पर आरोप मत लगाओ। अगर प्रमाण हैं तो SIT को दो, नहीं तो ये सब बंद कर दो। राम भक्तों की अग्निपरीक्षा मत लो। राम भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। योगी ने कहा- सपा सरकार को कौन नहीं जानता? सपा सरकार में पूरा खानदान नौकरियों में वसूली करने निकल पड़ता था। आज देवरिया के लोगों को पुलिस भर्ती में नौकरी मिल रही है। डबल इंजन की सरकार न होती, तो ये नौजवान नौकरी से वंचित रह जाते। चाचा-भतीजे की जोड़ी होती, तो नौकरियों को नीलाम कर दिया जाता। योगी ने कहा- याद करिए, मैंने जीरो टॉलरेंस के साथ सरकार चलाने की बात कही थी। इस प्रदेश को कांग्रेस और सपा ने माफिया-त्रस्त बना दिया था। यहीं थाने लूट लिए जाते थे। आज मोहर्रम है, लेकिन किसी गुंडे का पता नहीं है। कोई उपद्रव नहीं कर सकता। अगर कोई करेगा, तो सात पीढ़ियों तक भुगतेगा।

अब देवरिया, कुशीनगर, बलिया, मऊ और आजमगढ़ तेजी से विकास कर रहे हैं। मैं एक-एक विधायक से कहता हूं कि बताओ, कहां सड़क बननी है। कहां पुन बनने हैं। जो प्रस्ताव आते हैं, मैं तुरंत उनको पैसा देता हूं। इसमें कोई भेदभाव नहीं हो रहा है।

रामगढ़ में ट्रक...

जानकारी के अनुसार, पिकअप में 8 लोग सवार थे, जो रामगढ़ से मारगामरचा आए थे। यहां से उन्हें फिर बलसगरा जाना था और अपने कुछ अन्य साथियों को लेकर बिहार में एक कार्यक्रम शामिल होना था। इसी दौरान, सामने से आ रहे तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही 7 लोगों की मौत हो गई। एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे को सबसे पहले स्थानीय तबरेज आलम ने देखा। वो मुहर्रम जुलूस देखकर अपने घर लौट रहे थे। तबरेज ने बताया, रात में अचानक जोरदार आवाज आई। पीछे मुड़कर देखा तो ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मारी थी। मैं भागता हुआ मौके पर पहुंचा तो दिखा कि सवारी गाड़ी में बैठे ताशा पार्टी के सदस्य बुरी तरह से घायल थे। कुछ लहुलूहान हालत में पानी मांग रहे थे। आठ लोग गाड़ी में बुरी तरह से फंसे हुए थे। एक के ऊपर एक लोग चढ़ गए थे। उनके बैंड-ड्रम सड़क पर बिखर गए थे। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण भी भागते हुए मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने ही पुलिस को घटना की सूचना दी। सभी के सहयोग से बारी-बारी से बॉडी को बाहर निकाला गया। तब तक पुलिस भी पहुंच गई। पहले तो ग्रामीणों ने लाश को वहां से उठने नहीं दिया, हंगामा करने लगे फिर प्रशासन के समझाने पर बाद डेड बॉडी उठाई गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, रजरप्पा थाना पुलिस और अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी को तत्काल रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने सात लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। उसकी भी इलाज के क्रम में मौत हो गई। रामगढ़ सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में कुल आठ लोगों को अस्पताल लाया गया था, जिनमें से सात की मौत हो चुकी थी। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया है। इधर, घटना से नाराज ग्रामीणों ने रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग को जाम कर दिया है, जिसके बाद मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और प्रशासन लोगों को शांत कराने का प्रयास कर रहा है।

राम मंदिर ट्रस्ट से ...

तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली FIR दर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद गुरुवार देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आज शुक्रवार को सभी 8 आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सीजेएम कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है। अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। सोमवार को उन्हें दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा। सभी आरोपियों से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपए बरामद किए गए हैं। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को SIT बनाई। SIT ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। इसके 2 दिन बाद कार्रवाई हुई और मंदिर से जुड़े 8 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें टिन्नू, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और रमाशंकर मिश्रा शामिल हैं। अनुकल्प लवकुश का जीजा है। ये दोनों अनिल मिश्रा के रिश्तेदार हैं। वहीं, मनीष टिन्नू यादव का भतीजा है। अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया- 79.85 लाख रुपए बरामद अयोध्या सीजेएम कोर्ट के अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सोमवार को उन्हें दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा। सभी आरोपियों से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपए बरामद किए गए हैं। केवल एक आरोपी सुभाष से कोई बरामदगी नहीं हुई, लेकिन वह साजिश में शामिल था। बाकी आरोपियों से अलग-अलग रकम बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि मामले में सरकारी कर्मचारी और वे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें सरकार से वेतन मिलता है। इसके अलावा कई एसबीआई कर्मचारी भी आरोपी हैं। इनमें करीब 5 से 6 एसबीआई कर्मचारी शामिल हैं। एक कुसुम पाठक और हरीश पाठक हैं, जिन्होंने 18 मार्च 2021 को अपनी सवा हेक्टेयर जमीन चंदा चोरों से संबंधित दो लोगों को दो करोड़ में बेची। इसके 10 मिनट के अंदर ट्रस्ट ने चंदा चोरों से इस दो करोड़ की जमीन को 18 करोड़ में खरीदा। कई बार शिकायत होने के बाद मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा- भगवान राम के यहां, उनके घर में महा डकैती हो गई है।

एनसीईआरटी ने ...

इसके अलावा सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्दों का भी जिक्र नहीं है। किताब में अलग सेक्शन जोड़ा गया है। यह जानकारी गुरुवार को सामने आई। किताब के 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड' चैप्टर में इमरजेंसी को लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया है। हालांकि, इसमें संविधान की चर्चा उसके निर्माण, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक अधिकारों के माध्यम से की गई है, लेकिन सॉवरेन (संप्रभुता), 'सोशलिस्ट' (समाजवादी), 'सेक्युलर' (पंथनिरपेक्ष/धर्मनिरपेक्ष), 'डेमोक्रेटिक' (लोकतांत्रिक) और 'रिपब्लिक' (गणराज्य) जैसे शब्दों के बारे में नहीं बताया गया है। जनता ने मतदान के जरिए अपनी राय दी और सत्तारूढ़ सरकार चुनाव हार गई। किताब में इसे भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण बताया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान आपातकाल के समय किए गए 42वें संविधान संशोधन (1976) के जरिए भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'सेकुलर' (पंथनिरपेक्ष), 'सोशलिस्ट' (समाजवादी) और 'इंटीग्रिटी' (अखंडता) जोड़े गए थे। इससे पहले ये संविधान में नहीं थे। लेकिन ये शब्द अभी भी संविधान में मौजूद हैं। कक्षा 9वीं की सोशल साइंस की बुक में देश के चुनाव आयोग (ECI) की भी तारीफ की गई है। बुक में कहा गया है।

अब तक 177 गोल, कतर 2022 का रिकॉर्ड टूटा

एक फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड बना

मैच

अमेरिका, एजेंसी

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में शुक्रवार को गोलों का नया रिकॉर्ड बन गया है। टूर्नामेंट में अब तक कुल 177 गोल हो चुके हैं, जो किसी भी फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे हैं।

इससे पहले सबसे ज्यादा 172 गोल का रिकॉर्ड कतर में खेले गए 2022 वर्ल्ड कप में बना था। मौजूदा संस्करण में यह रिकॉर्ड ग्रुप चरण के दौरान ही टूट गया। इस बार पहली बार 48 टीमें वर्ल्ड कप खेल रही हैं। टूर्नामेंट में शुक्रवार 26 जून को 6 मैच खेले गए।

तुर्की के आयहन खान ने दिन का आखिरी गोल दागा। उन्होंने अमेरिका के खिलाफ इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्कोर किया। इस मैच को तुर्की ने 3-2 से जीता।

निकोलस पेपे के डबल गोल से आइवरी कोस्ट ने ग्रुप-ई मैच में कुरासाओ को 2-0 से हराकर पहली बार नॉकआउट में जगह बना ली। अब आइवरी कोस्ट 30 जून को राउंड ऑफ-32 में ग्रुप आई की उपविजेता टीम (फ्रांस या नॉर्वे) से भिड़ेगा। फिलाडेल्फिया स्टेडियम में आइवरी कोस्ट ने 7वें मिनट में बढ़त बना ली। 19 साल यान डियोमांडे ने कुरासाओ के डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए गेंद निकोलस पेपे को पास की, जिन्होंने आसान गोल के साथ टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए। 77वें मिनट में पेड्रो वीटे के कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हेडर लगाया, जिसे गोलकीपर मैनुएल नोयर पकड़ने ही वाले थे कि गोंजालो प्लाटा ने पैर बढ़ाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल ने इक्वाडोर को 2-1 की बढ़त दिलाई, जिसे उसने अंत तक कायम रखा।

इक्वाडोर ने जर्मनी को हराया

इक्वाडोर ने 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को हराया

24वीं रैंक की टीम इक्वाडोर ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में शुक्रवार को 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को 2-1 से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। इक्वाडोर 2006 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची है। ग्रुप-ई में तीसरे स्थान पर रहते हुए चार अंक हासिल करने वाला इक्वाडोर अब अगले राउंड में मैक्सिको से भिड़ सकता है। वहीं, पहले ही नॉकआउट में पहुंच चुकी जर्मनी की लगातार 11 मैचों की जीत का सिलसिला भी इस हार के साथ टूट गया है। मेटलाइफ स्टेडियम में इस मैच के दौरान 80,663 फैंस मौजूद रहे। फीफा के अनुसार इस वर्ल्ड कप के 56वें मैच तक कुल दर्शकों की संख्या 35,87,539 पहुंच गई, जो 1994 वर्ल्ड कप के पूरे टूर्नामेंट के रिकॉर्ड से अधिक है।

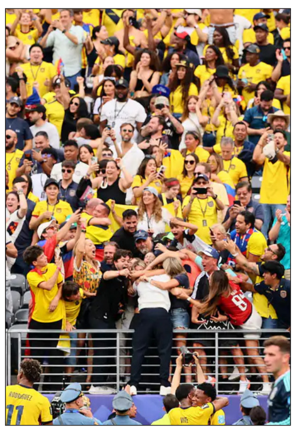

मेटलाइफ स्टेडियम में इस मैच के दौरान 80,663 फैंस मौजूद रहे।

शुरुआती बढ़त के बावजूद हारा जर्मनी

जर्मनी ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने के गोल से बढ़त बना ली। फ्लोरियन विट्र्ज के पास पर साने ने गोल दागा। हालांकि, इक्वाडोर ने 9वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली।

मिडफील्ड में गेंद छीनने के बाद पेड्रो वीटे ने निल्सन अंगुलो को पास दिया, जिन्होंने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह टूर्नामेंट में इक्वाडोर का पहला गोल भी था।

श्रीलंका पहले टेस्ट की पहली पारी में 308 पर ऑलआउट

वेस्टइंडीज से जस्टिन ग्रेव्स ने 3 विकेट झटके

नई दिल्ली। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 308 रन बनाए हैं। गुरुवार को मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज अपना खाता भी नहीं खोल सकी है। टीम के ओपनर्स नाबाद लौटे हैं।

तीसरे सेशन में कैरेबियाई पारी का पहला ओवर समाप्त होने के बाद अंपायर्स ने बेल्स उठा लिए। ओपनर जॉन कैंपबेल 6 बॉल खेलकर नाबाद रहे। जबकि ब्रैंडन किंग ने एक भी बॉल नहीं फेस की।

इससे पहले जॉयडन सेल्स ने श्रीलंकाई टीम का आखिरी विकेट झटका। उन्होंने असिथा फर्नांडो को अल्जारी जोसेफ के हाथों कैच कराया। सेल्स को श्रीलंकाई पारी में एक विकेट ही मिला।

टॉस हारकर बैटिंग कर रही श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 50 रन के अंदर 3 विकेट गंवा दिए थे। केमार रोच ने पहले

ओवर की आखिरी बॉल पर पाथुम निसांका को 2 रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा दिया। उसके बाद 10वें ओवर में अल्जारी जोसेफ ने निशान मदुष्का (23 रन) और कामिंदु मेंडिस (जीरो) को लगातार बॉल पर आउट किया। निसांका के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे दिनेश चांदीमल ने धनंजय डी सिल्वा के साथ पारी संभाली। दोनों ने 94 बॉल पर 68 रनों की साझेदारी की। वे चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें शमार जोसेफ ने बोल्ड कर दिया। चांदीमल 67 बॉल पर 54 रन बनाकर आउट हुए।

लैथम और कॉन्वे के शतक से न्यूजीलैंड तीसरे टेस्ट में मजबूत

पहले दिन न्यूजीलैंड के 361 रन, आखिरी सेशन में इंग्लैंड की वापसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड ने मजबूत शुरुआत की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 4 विकेट पर 361 रन बनाए। ओपनर डेवोन कॉन्वे (157) और कप्तान टॉम लैथम (151) ने पहले विकेट के लिए 317 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने इसी साल माउंट माउंगानुई में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले विकेट के लिए 323 रन की साझेदारी भी की थी, जो उनकी सर्वश्रेष्ठ ओपनिंग साझेदारी है।

हालांकि, आखिरी सेशन में इंग्लैंड ने मैच में वापसी करते हुए 44 रन के भीतर 4 विकेट झटक दिए। स्टंप्स के समय क्रीज पर हेनरी निकोल्स और

नाइटवॉचर विल ओ'रूर्के मौजूद थे। लाथम का यह टेस्ट करियर का 17वां शतक है। इसके साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्टिन क्रो के टेस्ट शतकों की बराबरी कर ली। दूसरी ओर, कॉन्वे ने अपने टेस्ट करियर का आठवां शतक पूरा किया। न्यूजीलैंड की बड़ी साझेदारी के दौरान इंग्लैंड ने कई मौके गंवाए। पारी के शुरुआती ओवरों में ही जोफ्रा आर्चर की गेंद पर स्लिप कॉर्डन में बदलाव के तुरंत बाद टॉम लाथम का कैच उसी खाली जगह से निकल गया।

चोटों से परेशान न्यूजीलैंड को टॉस जीतने से मिली बड़ी राहत

मैच से ठीक पहले न्यूजीलैंड की टीम को दो बड़े झटके लगे थे। पिछले हफ्ते द ओवल टेस्ट में 11 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे तेज गेंदबाज मैट हेनरी (पैर की चोट) और पहली पारी में शतक लगाने वाले ग्लेन फिलिप्स (साइड स्ट्रेन) चोट के कारण मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह मिचेल सैंटनर और बेन सियर्स को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। ऐसे में कप्तान टॉम लाथम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का सही फैसला किया, जिससे टीम को इस झटके से उबरने और सपाट पिच पर बड़ा स्कोर बनाने का मौका मिल गया।

चरणी एक एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय, जेमिमा रनआउट होने से बचीं

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप में भारत का दूसरा बड़ा रनचेज

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 137 रन का टारगेट हासिल कर बांग्लादेश को 5 विकेट से हरा दिया। यह भारतीय टीम का विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। वहीं, श्री चरणी एक टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बन गई हैं। शेफाली को 53 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड हासिल करने वाली प्लेयर्स के क्लब में शामिल हो गई हैं। इस क्लब में स्मृति मंधाना और मिताली राज जैसे नाम हैं।

शेफाली ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई। उन्होंने

शेफाली वर्मा ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना तीसरा प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। वे विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड जीतने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। वे स्मृति मंधाना और मिताली राज के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हरमनप्रीत कौर 4 अवॉर्ड्स के साथ पहले स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ मैनचेस्टर में सिर्फ 29 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पहले स्थान पर कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं। उन्होंने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ 27 गेंद पर फिफ्टी लगाई थी। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर बनाया। टीम ने इस मैच में पहले 6 ओवर के दौरान 1 विकेट के नुकसान पर 63 रन बनाए। इससे पहले इसी टूर्नामेंट में टीम ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले 6 ओवर में बिना विकेट खोए 59 रन बनाए थे।

श्री चरणी ने पूनम यादव का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

श्री चरणी विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 2 विकेट चटकाए। वे इस वर्ल्ड कप में 12 विकेट ले चुकी हैं। उन्होंने पूर्व स्पिनर पूनम यादव का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पूनम ने 2020 में 10 विकेट लिए थे। इसके साथ ही चरणी एक टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली दुनिया की संयुक्त रुप से चौथी महिला गेंदबाज हैं। न्यूजीलैंड की अमीलिया कर पहले स्थान पर है। उन्होंने 2024 में 15 विकेट लिए थे।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया

भारत ने 137 रन का टारगेट चेज किया। यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। टीम ने 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ 150 रन का टारगेट हासिल किया था। जोकि टूर्नामेंट में भारत का सबसे बड़ा रनचेज था।

मनोरंजन

नेटफ्लिक्स पर मौजूद सच्ची बदले की कहानी देख खौल जाएगा खून

धुरंधर 2 को टक्कर देती है 16 एपिसोड की थ्रिलर सीरीज

नई दिल्ली। इसमें कोई दो-राय नहीं कि 'धुरंधर 2' 2025 और 2026 की सबसे सफल फ्रैंचाइजी बनकर उभरी है। फिल्म की कहानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और पाकिस्तान से भारत के बदले की इस कहानी ने दर्शकों को थ्रिल महसूस कराने के साथ ही उनके दिलों में भी जगह बना ली है।

अगर बदले की इस कहानी ने आपके रोंगटे किए हैं और इस तरह की कहानियां आपको पसंद है तो नेटफ्लिक्स (Netflix) पर मौजूद एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर आपको जरूर पसंद आएगी। हालांकि यह किसी देश के बीच

बदले की कहानी नहीं है बल्कि एक आम स्कूल गर्ल की बदले की कहानी है।

यह सीरीज एक K-Drama है जो दो भागों में बनी है, इसका नाम है- 'द ग्लोरी' (The Glory)। नेटफ्लिक्स (Netflix) पर मौजूद किम यून-सूक द्वारा लिखी गई और आन गिल-हो द्वारा निर्देशित एक दक्षिण कोरियाई साइकोलॉजिकल थ्रिलर टेलीविजन सीरी है, जो बदले की कहानी पर आधारित है। इसकी मुख्य कास्ट में सॉन्ग ह्ये-क्यो, ली डो-ह्यून, लिम जी-योन, येओम ह्ये-रान, पार्क सुंग-हून और जंग सुंग-इल शामिल हैं।

क्या है इस थ्रिलिंग सीरीज की कहानी?

16 एपिसोड की यह सीरीज दो हिस्सों में बांटा गया है, इसका पहला हिस्सा 2022 में और दूसरा हिस्सा 2023 में रिलीज हुआ था। यह एक रोमांचक बदले की कहानी है जिसके कुछ सीन एक सच्ची घटना पर आधारित है। जिसमें स्कूल के कुछ स्टूडेंट्सक का ग्रुप एक लड़की से लगभग 1 साल तक पैसे ऐंठे, उसे पीटा और कई चीजों से उनसे जलाकार गहरे घाव दिए। इतना सब हो जाने के बाद भी वह लड़की हार नहीं मानती बल्कि बदला लेने की ठान लेती है। वह प्लान बनाती है और उसी स्कूल की टीचर बन जाती है और फिर यही से शुरू होती है असली कहानी। वह तुरंत बदला लेने के बजाय वह एक-एक करके सबको सब्र के साथ सजा देती है। हालांकि वह किस तरह उन सबसे बदला देती है? यह जानने के लिए आपको सीरीज देखनी होगी।

नुसरत फ़तेह अली खान ने 150 बार की थी दर्द भरे गाने की रिकॉर्डिंग

रुंध गया था सिंगर का गला, सुनते ही आ जाते हैं आंसू

नई दिल्ली। दिग्गज गायक उस्ताद नुसरत फतेह अली खान ने कई बेहतरीन गीत म्यूजिक इंडस्ट्री को दिए हैं। शहंशाह ए कव्वाली के नाम से मशहूर नुसरत अपने दर्द भरे गीतों के लिए भी फैंस की पहली पसंद है। एक ऐसा ही गाना उन्होंने 26 साल पहले गाया था जिसको रिकॉर्ड करते वक्त वे 150 बार इमोशनल हुए और उतनी बार वह रिकॉर्डिंग रोकनी पड़ी।

इस दर्द भरे गीत की एक लाइन इतनी इमोशनल थी कि उस पर नुसरत फतेह अली खान (Nusrat Fateh Ali Khan) 150 बार इमोशनल हुए और उतनी ही बार रिकॉर्डिंग को रोकना पड़ा। हालांकि इतनी बार रूकने के बावजूद उन्होंने उसे अपनी रुहानी आवाज में ही गाया। यह किस्सा है 2000 में रिलीज हुई हिट फिल्म धड़कन का जिसके बोल हैं- दूल्हे का सेहरा (Dulhe Ka Sehra)। इस गाने को

शिल्पा शेट्टी की विदाई के वक्त फिल्माया था और इसी वजह से यह गाना दुल्हन की विदाई के वक्त के लिए हर जगह बजाया जाने लगा। यहां आज 26 साल बाद भी यह टाइमलेस बना हुआ है। इस गाने के बोल लिरिसिस्ट समीर ने लिखे थे और उन्होंने इसका खुलासा करते हुए एक इंटरव्यू में बताया, 'इस गाने की एक लाइन नुसरत फतेह अली खान ने डेढ घंटे तक गाई, जैसे ही वह लाइन आती नुसरत साहब रोने लगते।

14 साल के बेटे की बात सुनकर शिल्पा शेट्टी बोलीं- लगा, अब सच में जिंदगी में कुछ हासिल किया है

'मॉम, क्या लगती हैं आप?'

नई दिल्ली। हर सफलता की कहानी सिर्फ तालियों और शोहरत से नहीं बनती। इसके पीछे ऐसे दौर भी होते हैं जब मौके छूटते हैं, फैसले गलत साबित होते हैं और फिर खुद को साबित करना पड़ता है। शिल्पा शेट्टी की कहानी भी ऐसी ही रही।

एक तस्वीर से मॉडलिंग की शुरुआत, पहली फिल्म बंद होने का झटका, करियर में ठहराव और फिर वापसी- उन्होंने हर मोड़ पर खुद को खड़ा किया। इसी सफर में बेटे की तारीफ ने उन्हें एहसास कराया कि असली सफलता सिर्फ नाम नहीं, बल्कि हर दौर में प्रासंगिक बने रहना है। शिल्पा शेट्टी की सफलता की कहानी सीधे 'बाजीगर' से शुरू नहीं हुई थी। कम लोग जानते हैं कि उनकी पहली फिल्म 'गाता रहे मेरा दिल' थी, जिसमें उनके साथ रोनित रॉय और रोहित रॉय थे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी और ट्रेड

मैगजीन में उनकी तस्वीर के साथ बॉलीवुड डेब्यू की घोषणा भी हो गई थी। लेकिन रिलीज से पहले ही फिल्म बंद हो गई। इसे यश चोपड़ा के असिस्टेंट रह चुके डायरेक्टर दिलीप नाइक ने डायरेक्ट किया था। नए कलाकार के लिए पहली फिल्म का बंद होना करियर खत्म होने जैसा हो सकता था, लेकिन शिल्पा के साथ उल्टा हुआ। उसी ट्रेड मैगजीन में छपी उनकी तस्वीर इंडस्ट्री के लोगों की नजर में आई और उन्हें 'बाजीगर' का ऑफर मिला। 'बाजीगर' की सक्सेस के बाद शिल्पा शेट्टी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुईं।

एक तस्वीर ने बदल दी शिल्पा की जिंदगी

8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मीं शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। उनका परिवार बाद में मुंबई आ गया, जहां उनकी पढ़ाई हुई। शुरुआती दिनों में उनकी जिंदगी फिल्मों और ग्लैमर से अलग थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह पिता के काम में हाथ बंटाती थीं और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह फिल्मों की दुनिया का जाना-पहचाना चेहरा बनेंगी।

इसी दौरान उन्हें एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। उनकी मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। शो में मौजूद एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं और बाद में उन्हीं के जरिए उन्हें मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। धीरे-धीरे विज्ञापनों और फोटोशूट्स का सिलसिला शुरू हुआ और यहीं से मनोरंजन जगत में सफर शुरू हुआ।

16 साल की उम्र में शिल्पा ने 1991 में पहली बार लिम्का के लिए मॉडलिंग की।

फिल्म 'बाजीगर' से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए शिल्पा शेट्टी कहती हैं- लोग आज भी उस सीन की बात करते हैं जिसमें मैं गिरते हुए मुस्कुरा रही हूं। उस समय वीएफएक्स नहीं हुआ करता था। हमने वो सीन कई बार शूट किया था। आज भी ध्यान से देखें तो उसमें इस्तेमाल हुई स्ट्रिंग दिखाई देती है। लेकिन उससे सीखा कि फिल्में सिर्फ पैसों से नहीं बनतीं, उनमें आत्मा होनी चाहिए। 'बाजीगर' में वही बात थी।

प्रभास-अनुष्का ने 'बाहुबली 3' पर लगाई मुहर

नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में कर दिया खुलासा!

नई दिल्ली। 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' ने भारतीय सिनेमा को दुनियाभर में एक अलग पहचान दिलाने का काम किया था। वहीं बाहुबली 2 के आखिर में बाहुबली के सिंहासन पर बैठ जाने के बाद लोगों को लगा था कि कहानी खत्म हो गई है। लेकिन अब फिल्म के लीड कलाकारों ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दे दी है, जिससे 'बाहुबली 3' के ऑफिशियल बनने की खबर पर लगभग मुहर लग चुकी है। 'बाहुबली 3' (Baahubali 3) को लेकर नई अटकलें तब शुरू हुईं जब डॉक्यूमेंट्री 'बाहुबली: द टॉर्चबियरर' का एक वायरल क्लिप सामने आया। इस क्लिप में प्रभास, राणा दग्गुबाती और अनुष्का शेट्टी इस फ्रैंचाइजी की एक और फिल्म की ओर इशारा करते हुए दिखे। क्लिप में राणा कहते हैं, 'हो सकता है कि दुनिया अभी इसके लिए तैयार न हो, लेकिन बाहुबली जरूर आएगी...' इसके बाद प्रभास (Prabhas) तीन उंगलियां दिखाते हैं और मुस्कुराते हैं, जिससे अनुष्का समेत सोफे पर बैठे सभी लोग हंसने लगते हैं। यह पल फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर इसलिए क्योंकि क्लिप इन शब्दों के साथ खत्म होती है, 'और यह विरासत जारी रहेगी'। इस क्लिप के वायरल होने के बाद फैंस के बीच खलबली मच गई। एक ने लिखा, 'बाहुबली 3 आधिकारिक तौर पर बन रही है! इंतजार आखिरकार खत्म होने वाला है।

ईरान बोला-इन्हें जवाबदेह ठहराया जाए, होर्मुज में जहाज पर हमला, पुल को नुकसान

‘नाटो देशों ने जंग में अमेरिका का साथ दिया’

“ईरान ने कहा कि 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे या अमेरिकी झंडा जलाने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सरकार ने सोशल मीडिया पर चल रही खबरों को गलत बताया।

आरोप

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हुए हमले में साथ देने वाले NATO मेंबर देशों को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने सोशल मीडिया पर कहा कि NATO चीफ मार्क रूट ने खुद माना है कि इटली और रोमानिया ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में अमेरिका का साथ दिया था। बघई ने कहा कि इन्हें अपने नागरिकों और पूरी दुनिया को बताना चाहिए कि उन्होंने अमेरिका और इजराइल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ इस कार्रवाई का समर्थन क्यों किया।

वहीं, होर्मुज स्ट्रेट में एक कॉमर्शियल जहाज पर किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल, यानी हमलावर हथियार से अटैक हुआ। ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस, यानी UKMTO ने इसकी जानकारी दी है।

ईरान ने खाड़ी देशों से मिडिल ईस्ट को परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने को कहा

ईरान ने खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) के देशों से मिडिल ईस्ट को परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की पहल का समर्थन करने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में पेश करने वाली नीतियों का साथ देने के बजाय इस पहल को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इजराइल के उन आरोपों को भी खारिज किया, जिनमें उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर सवाल उठाए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा तभी संभव है, जब क्षेत्रीय देश आपसी सहयोग बढ़ाएं और बाहरी दखल से बचें। साथ ही ईरान ने अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को खतरे के रूप में पेश करने की कोशिशों की भी निंदा की।

आज वॉशिंगटन में इजराइल-लेबनान बातचीत फिर होगी

अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल और लेबनान के बीच चल रही बातचीत, जो स्थानीय समयानुसार बुधवार रात खत्म होने वाली थी, अब गुरुवार को वॉशिंगटन में फिर शुरू होगी। यह इस सप्ताह शुरू हुई पांचवें दौर की बातचीत है। इसमें अमेरिका समर्थित उस प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है, जिसका मकसद इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष खत्म करना है। साथ ही, इजराइली सेना अपने कब्जे वाले कुछ इलाकों को लेबनानी सेना को सौंपे।

ट्रम्प सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर, यानी करीब 8.322 लाख करोड़ की अतिरिक्त फंडिंग मांगी। यह रकम युद्ध खर्च, सेना की तैयारी और हथियारों के भंडार के लिए इस्तेमाल होगी।

ईरान में 4 जुलाई से शुरू होगा खामेनेई का अंतिम संस्कार

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह 4 जुलाई से शुरू होगा। अंतिम संस्कार समिति के प्रवक्ता ने कहा कि इससे जुड़ी तैयारियां कई बार पूरी कर ली गई थीं, लेकिन युद्ध की वजह से समारोह को बार-बार स्थगित करना पड़ा। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को इराक के पवित्र शहरों नजफ और करबला में भी अलग श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किए जाएंगे। ईरान और पूरे शिया मुस्लिम समुदाय में खामेनेई का बड़ा धार्मिक और राजनीतिक प्रभाव माना जाता है। यही वजह है कि उनके अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

फास्ट न्यूज़

चीन और बांग्लादेश तीस्ता नदी के प्रबंधन पर सहयोग बढ़ाने पर सहमत

बीजिंग। बांग्लादेश और चीन ने गुरुवार को तीस्ता और अन्य नदियों के प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह समझौता तब हुआ, जब चीन के जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की, जो इस समय बीजिंग में हैं। चीन कई सालों से तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना को विकसित करने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

दुनियाभर में घटी ट्रंप की लोकप्रियता

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वैश्विक रेटिंग पर उनकी टैरिफ समेत तमाम नीतियों और ईरान युद्ध का गहरा असर पड़ा है। उनकी न केवल दुनियाभर में लोकप्रियता घटी है बल्कि विश्व मामलों के संभालने को लेकर उनकी नीतियों पर दुनिया का भरोसा कम हुआ है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक ताजा सर्वे के अनुसार, दुनियाभर में ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग में भारी कमी आई है और 76 प्रतिशत लोगों ने उनके नेतृत्व पर भरोसा नहीं जताया है। मंगलवार को जारी सर्वे नतीजों के अनुसार, केवल 23 प्रतिशत प्रतिभागियों ने वैश्विक मामलों के समाधान में ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा जताया है।

ईरान युद्ध पर अपनी पार्टी में ही घिरे ट्रंप

वाशिंगटन। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के भीतर तीखे सवालों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को बंद कमरे में हुई बैठक में ट्रंप और रिपब्लिकन सीनेटर बिल कैसिडी के बीच ऊंची आवाज में बहस हुई। इसके कुछ घंटे बाद ट्रंप प्रशासन ने युद्ध के खर्च के लिए कांग्रेस से 70 अरब डालर की अतिरिक्त राशि मांगी।

कच्चा-तेल ईरान युद्ध से पहले वाले भाव 72 डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की जो कीमतें थीं, गुरुवार को वैश्विक बाजार में दाम उसी स्तर पर आ गए हैं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह वही भाव (72.29 डॉलर) है, जो युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले 27 फरवरी को था।

17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद स्विट्जरलैंड में हुई शांति वार्ता में अमेरिका ने ईरानी तेल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध हटा लिए। इसके बाद होर्मुज रूट से गुजरने वाले जहाज की संख्या बढ़ने लगी है।

सोमवार के बाद से करीब 80 जहाज इस होर्मुज से गुजर चुके हैं। हालांकि यह संख्या युद्ध से पहले रोजाना 100 से ज्यादा जहाजों से कम है। हालांकि कच्चा तेल सस्ता होने के बावजूद पेट्रोल पंपों पर दाम दशहरे तक ही कम हो सकते हैं।

एनर्जी एक्सपर्ट ने कहा- पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत दशहरे तक ही संभव

एनर्जी एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा के मुताबिक, पेट्रोल, डीजल जैसे प्रोडक्ट्स जो अभी हम खरीद रहे हैं, उन्हें तैयार करने के लिए जो कच्चा तेल इस्तेमाल हो रहा है, उसे तब खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी कीमत करीब 110 डॉलर प्रति बैरल थी। भारतीय रिफाइनरियों के लिए ये करीब 125 डॉलर प्रति बैरल थे।

इसमें करीब ढाई महीने लगेंगे। मौजूदा भाव का तेल स्रोत देशों के बंदरगाहों पर जहाजों में लोड होने में 15-20 दिन लगेंगे।

4300 से ज्यादा घायल, सरकार बोली- 39,000 लोग लापता, मलबे के नीचे से आवाजें आ रहीं

वेनेजुएला भूकंप में अब तक 235 की हुई मौत

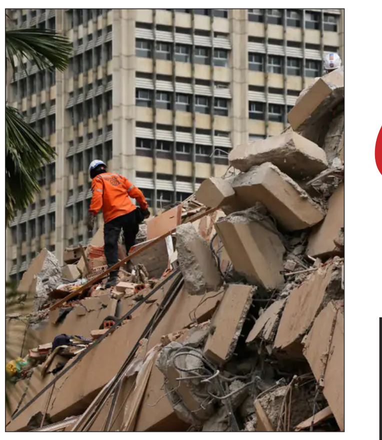

भूकंप आने के बाद बिल्डिंग मलबे के ढेर में बदल गई।

कराकस, वेनेजुएला, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रहीं हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है।

“वेनेजुएला में अभी भी भूकंप से तबाह हुई बिल्डिंगों के मलबे में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। आपदा प्रभावित इलाके में अंतरराष्ट्रीय बचाव दल और मानवीय सहायता के पहुंचने के साथ ही आपातकाल की घोषणा कर दी गई है

तुर्किये बचाव दल और राहत सामग्री वेनेजुएला भेजेगा

तुर्किये की आपदा प्रबंधन एजेंसी AFAD ने कहा है कि वह वेनेजुएला में भूकंप प्रभावित लोगों की मदद के लिए दो सैन्य विमान भेजेगा। पहले A-400M विमान में 38 सदस्यीय खोज एवं बचाव दल, मानवीय सहायता कर्मी, पांच सदस्यीय मेडिकल रेस्क्यू टीम, तुर्की रेड क्रिसेंट के दो सदस्य, दो खोजी कुत्ते और तीन पूरी तरह सुसज्जित चाव वाहन भेजे जाएंगे। दूसरे A-400M विमान में 22 सदस्यीय मानवीय सहायता ब्रिगेड और उसका उपकरण होगा। AFAD के मुताबिक, दोनों विमान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:15 बजे इस्तांबुल एयरपोर्ट से रवाना होंगे।

भारत ने वेनेजुएला के लिए राहत सामग्री भेजी

भारत ने भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि भारतीय वायुसेना के दो C-17 विमान भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज्यादा राहत सामग्री लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला के साथ खड़ा है और राहत एवं बचाव कार्यों में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने आपातकाल लगा दिया है।

इसके फीचर से रेपिस्ट बच्ची तक पहुंचा, भारत में इसके 25 करोड़ एक्टिव मंथली यूजर

अमेरिका में बच्ची से रेप केस में स्नैपचैट पर हुआ मुकदमा

मिसौरी, एजेंसी

सोशल मीडिया एप स्नैपचैट की मूल कंपनी स्नैप पर अमेरिका के मिसौरी में मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि प्लेटफॉर्म 12 साल की बच्ची के बलात्कार के लिए जिम्मेदार है। आरोप लगाया गया है कि स्नैपचैट के क्विक एड और स्नैप मैप जैसे फीचर्स के जरिए आरोपी गैब्रियल जोएल वैलेंटीन-रियोस ने जेएफ नाम की लड़की को शिकार बनाया। एप की मदद से वह उससे जुड़ पाया और उसे बहला-फुसला सका। कथित रूप से स्नैपचैट के क्विक एड फीचर ने 25 साल के वैलेंटीन-रियोस को जेएफ और उसी इलाके की अन्य नाबालिग लड़कियों से जुड़ने का सुझाव दिया। शिकायत के अनुसार, एप ने वैलेंटीन-रियोस को मिलनसार दिखने वाले लड़के के रूप में दर्शाया था। स्नैपचैट नाबालिगों को यह चेतावनी देने में विफल रहा कि ये यूजर्स अजनबी हो सकते हैं या उनसे जुड़ना खतरनाक हो सकता है। स्नैपचैट की 25 से अधिक देशों में 13 से 24 साल की आयु के 90% लोगों तक पहुंच है। भारत स्नैपचैट के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। याहू फाइनेंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्नैपचैट के 25 करोड़ से ज्यादा एक्टिव मंथली यूजर हैं। यह कंपनी के वैश्विक यूजर बेस का लगभग 36% है। देश में उसके यूजर की संख्या लगातार बढ़ रही है।

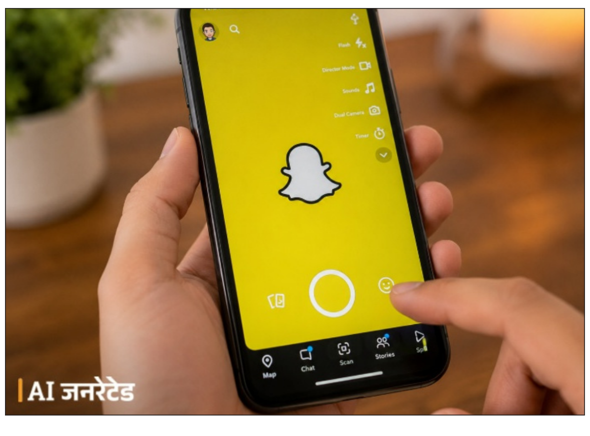

अदालत में कहा गया है कि स्नैप के अधिकारियों को डार्क वेब पर एक बुक मिली, जिसमें स्नैपचैट के फीचर का इस्तेमाल करके युवा यूजर्स को निशाना बनाने के तरीके बताए गए हैं। हीट इनिशिएटिव नामक संगठन के एक सर्वे के मुताबिक नाबालिग यूजर्स में से आधे ने पिछले साल स्नैपचैट पर ‘असुरक्षित सामग्री या संदेश’ देखे।

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के खिलाफ हजारों मामले

मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम), टिकटॉक (बाइट-डांस), यूट्यूब (गूगल), और स्नैपचैट (स्नैप) सहित कई प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गंभीर मुकदमों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की अदालतों में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ लत से संबंधित दावों वाले 3,300 से अधिक मुकदमे लंबित हैं।

भारत में आईपैड-मैकबुक की कीमतें 1-लाख तक बढ़ीं

नई दिल्ली, एजेंसी

एपल ने गुरुवार को अमेरिका में अपने आईपैड और मैकबुक की कीमतों में 300 डॉलर तक की बढ़ोतरी कर दी है। भारत में भी इनकी कीमतों में 1 लाख तक का इजाफा हुआ है। कंपनी का कहना है कि AI इंडस्ट्री के डेटा सेंटर बनाने के कारण मेमोरी और स्टोरेज चिप की लागत लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते अब ग्राहकों को इस बढ़ी हुई कीमत से बचाना संभव नहीं रह गया है। इस फैसले से एपल के सबसे ज्यादा बिकने वाले प्रोडक्ट आईफोन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी के सबसे कम कीमत वाले लैपटॉप 'नियो' की शुरुआती कीमत लॉन्च के कुछ महीने बाद ही 599 डॉलर से बढ़कर 699 डॉलर हो जाएगी। इसके अलावा 512 गीगाबाइट वाले मैकबुक एयर की कीमत 200 डॉलर बढ़ गई है, जबकि 1 टेराबाइट स्टोरेज वाले मैकबुक प्रो की कीमत में 300 डॉलर का इजाफा होगा। एपल ने अपने होमपॉड स्मार्ट स्पीकर के दोनों वर्जन और एपल टीवी सेट-टॉप बॉक्स की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। इस घोषणा के बाद एपल के शेयर करीब 5% गिर गए, जबकि उसकी कॉम्पिटिटर कंपनी डेल के शेयर 8% से ज्यादा टूट गए। माइक्रोन जैसी मेमोरी मैन्युफैक्चरर कंपनियों ने पिछले कुछ महीनों में एनवीडिया जैसे AI चिपमेकर्स के ऑर्डर्स को प्राथमिकता दी है। इस कदम से मेमोरी मैन्युफैक्चरर को रिकॉर्ड मुनाफा तो हुआ है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए इसकी सप्लाई बेहद कम बची है।

एआई बूम के कारण चिप की लागत बढ़ने के चलते एपल ने यह फैसला किया

कारोबार : गिफ्टी निफ्टी में 150 अंकों की कमजोरी ■ 8% टूटा दक्षिण कोरिया का कोस्पी

सोमवार को गिरावट के साथ खुल सकता है भारतीय बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी

मुहर्रम की छुट्टी के कारण आज 26 जून को भारतीय शेयर बाजार बंद हैं। लेकिन वैश्विक बाजारों में मंदी के कारण सोमवार को ये गिरावट के साथ खुल सकता है। आज दक्षिण कोरिया का बाजार कोस्पी 8% नीचे हैं और गिफ्ट निफ्टी 150 अंकों से ज्यादा टूट गया है।

इससे पहले, गुरुवार को भारतीय बाजारों में उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच मामूली बढ़त रही थी। सेंसेक्स 109 अंक (0.14%) की बढ़त के साथ 77,100 पर और निफ्टी 34 अंक (0.14%) बढ़कर 24,056 पर बंद हुआ। सेंसेक्स अपने डे हाई से 703 अंक टूट गया था। डाउ जोंस में भले ही 0.14% की बढ़त रही, लेकिन टेक-हैवी नैस्डैक कंपोजिट 0.46% गिरकर बंद हुआ। टेक कंपनी एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और अल्फाबेट जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर नीचे आ गए। सबसे ज्यादा नुकसान एपल को हुआ, जिसके शेयर 6% टूट गए।

कंपनी ने आईपैड और मैकबुक की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है, ताकि मेमोरी और स्टोरेज चिप की बढ़ती लागत की भरपाई की जा सके। इस गिरावट से एपल की मार्केट वैल्यू करीब 250 बिलियन डॉलर घट गई। अब इसका मार्केट कैप 4.04 लाख करोड़ डॉलर रह गया है। हालांकि, सेमीकंडक्टर सेक्टर से कुछ अच्छे संकेत भी मिले। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के तिमाही नतीजे अनुमान से बेहतर रहने के बाद उसका शेयर 16% चढ़ गया। इसके साथ ही सैनडिस्क में 22% की तेजी आई। क्वालकॉम, वेस्टर्न डिजिटल और सीगेट जैसी कंपनियां भी बढ़त रहीं।

एशियाई बाजारों में कोस्पी 8% टूटा, निक्केई में भी 5% की गिरावट

AI इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारी खर्च को लेकर बढ़ी चिंताओं के कारण ग्लोबल मार्केट्स में टेक शेयरों में बिकवाली आई है। दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी 8% तक टूट गया। इसके अलावा जापान का निक्केई इंडेक्स करीब 3% गिरा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग भी नीचे हैं।

“25 जून को फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने भारतीय बाजारों से 384 करोड़ की नेट खरीदारी की। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने भी 5,748 करोड़ की नेट खरीदारी की है। इस साल के कुल आंकड़ों पर नजर डालें तो एफआईआई अब तक लगभग 3.46 लाख करोड़ के नेट सेलर्स रहे हैं, जबकि डीआईआई ने 4.57 लाख करोड़ की खरीदारी की है।

ओमान ने तेल टैंकरों के लिए खोला नया रूट

भड़के ईरान ने जहाज पर दागी मिसाइल

तेहरान, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ताओं और साठ दिनों के अंतरिम युद्धविराम के दौरान खाड़ी क्षेत्र में तनाव फिर से गहरा गया है। यह नया विवाद ओमान द्वारा तेल टैंकरों के लिए एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग की घोषणा के बाद शुरू हुआ। ईरान ने इस नए मार्ग को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी, लेकिन इसके बावजूद कई जहाज इस रास्ते से गुजरने लगे।

इसी बीच, गुरुवार को इस नए रूट से गुजर रहे एक जहाज पर मिसाइल से हमला किए जाने की खबर सामने आई है। हालांकि, ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने पुष्टि की है कि इस हमले में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

ओमान ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के समर्थन से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए एक अस्थायी समुद्री कॉरिडोर उपलब्ध कराया है। इस नई व्यवस्था की सबसे खास बात यह है कि इसमें जहाजों से किसी भी प्रकार का ट्रांजिट शुल्क या टोल नहीं लिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान लंबे समय से होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा देने के बदले शुल्क वसूलने की वकालत कर रहा था।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स(आईआरजीसी) ने ओमान के इस नए मार्ग को पूरी तरह अवैध करार दिया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676